डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय
जनवरी 2023

विवि के संस्कृत विभाग में आयोजित की गई व्याख्यान माला

संस्कृत मनुष्य को संस्कारित करने वाली भाषा

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषा और हमारी संस्कृतिक विरासत का अक्षुण्ण भंडार है। संस्कृत मनुष्य के चरित्र को संस्कारित कर उसके व्यक्तित्व को विकसित करने वाली भाषा है। नई शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के महत्त्व को नए सिरे से पहचानते हुए उसमें निहित अपरिमित ज्ञान को समझने की नितांत आवश्यकता को प्रोत्साहित किया गया है। मुझे खुशी है कि संस्कृत के प्रति नयी पीढ़ी का लगाव बढ़ा है। यह बात डा. हरी सिंह गौर केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कालिदास अकादमी, उज्जैन और डा. हरी सिंह गौर के संस्कृत विभाग संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित सारस्वतम के व्याख्यान में कही। उन्होंने संस्कृत विषय और उसके वाङ्मय के सार्वभौमिक और वैज्ञानिक महत्त्व को भी रेखांकित किया। सारस्वत अतिथि प्रो. इला घोष (जबलपुर) ने महाकवि राजशेखर की शोध दृष्टि पर विस्तार से विचार करते हुए कवि शिक्षा, कवियों के भेद, शोध की प्रक्रिया और प्रमाणिकता, शोध के गुणों आदि पर राजशेखर के गहन चिंतन से परिचित कराया। शोध से मानस दोष प्रक्षालित होकर गुण रूप में परिवर्तित हो जाता है।

संस्कृत विभाग की शोध पत्रिका नाट्यम के नये अंक शूद्रक विशेषांक का अनावरण करती कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व अन्य अतिथि। ● नवदुनिया

बुद्धिमान, आहार्य और दुर्बल कवियों का भेद समझना आवश्यक है। प्रो. डीएवीपीजी कालेज देहरादून से आए मुख्य अतिथि प्रो. रामविनय सिंह ने संस्कृत गजल दशा और दिशा विषय पर अपना व्याख्यान दिए। उन्होंने कहा कि गजल की लोकयात्रा विविध पड़ावों से होकर गुजरती है। संस्कृत गजल ने युग बोध को अत्यंत बारीकी के साथ अभिव्यक्ति दी। संस्कृत गजल की ध्वन्यात्मक भाव संप्रेषण कला ही इसे अधुनातन संदर्भ में समकालिक चेतना से हाथ मिलाकर चलने की शक्ति देती है। इस आयोजन में काव्यपाठ भी हुआ। प्रो. रामविनय सिंह ने अपने सुमधुर गीतों और गजलों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिंदी विभाग के शोधार्थी पंकज मिश्र ने भी स्वरचित गीत सुनाकर वाहवाही बटोरी। इस अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा प्रकाशित यूजीसी लिस्टेड शोध पत्रिका नाट्यम के नये अंक शूद्रक विशेषांक का लोकार्पण हुआ। प्रो. सिंह और इला घोष ने कुलपति को तथा विभाग के लिए अपनी पुस्तकें भेंट स्वरूप प्रदान की। विभागीय अध्यापकों डा. संजय कुमार, ड. किरण आर्या, डा. नौनिहाल गौतम, डा. रामहेत गौतम ने अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत विभाग की सुदीर्घ परंपरा को समृद्ध करने में ऐसे अकादमिक आयोजनों की अपरिहार्य भूमिका होती है। संचालन डा. शशिकुमार सिंह ने किया। आभार कालिदास अकादमी के अजय मेहता ने। इस मौके पर प्रो. चंदा बैन, सुरक्षा अधिकारी डा. हिमांशु कुमार, डा. राजेन्द्र यादव, डा. अरविंद कुमार, डा. रामरतन पांडेय, डा. लक्ष्मी पांडेय, डा. अवधेश कुमार यादव आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विवि स्थापना दिवस के कार्यक्रम की तैयारियां शुरू

सागर (नवदुनिया न्यूज)। केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का समागम (ऐल्यूमिनी मीट) को लेकर शुक्रवार को प्रो. केएस पित्रे की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के भैषजिक विभाग के सभागार में आयोजित बैठक की गई। बैठक में अगले महीने होने वाली ऐल्यूमिनी मीट की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। इसमें अतिथियों के आगमन, रजिस्ट्रेशन, भोजन व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान बताया गया कि पूर्व छात्र शोध छात्र केवल पांच सौ रुपये देकर पंजीयन करा सकेंगे। पूर्व छात्र ऐशोसियेसन के सचिव प्रो जीएल पुंताम्बेकर ने विद्यार्थियों से अधिकतम संख्या में पंजीयन कराकर इस एतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी 2009 को विश्वविद्यालय उन्नयन होकर केंद्रीय विश्वविद्यालय बना था। केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के मौक़े पर सागर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय परिषद के निर्देशक रहे, भारत सरकार द्वारा पदमश्री सम्मान से सम्मानित डा.कपिल तिवारी का समारोह में व्याख्यान होगा। समारोह में सागर विश्वविद्यालय के छात्र रहे वर्तमान में भारत सरकार के मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार, मध्यप्रदेश शासन में मंत्री गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह एवं गोविंद राजपूत, विधायक शैलेंद्र जैन कार्यक्रम के अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी।

उद्घाटन सत्र के बाद दो सत्रों में विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थीयों के संस्मरण, परिचर्चा और विमर्श होगा। शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जेडी, प्रो.वंदना सोनी, डा. राकेश शर्मा, वीनू राणा, डा. अलीम ख़ान, मुकेश साहू, डा. अमर जैन, सुभाष जैन उपस्थित थे

...कहा कि परमपूज्य गुरूवर ने जो असीम कृपा हम ... (ब्लॉक अध्यक्ष) सागर ने किया।

...यादव, संगीता यादव, सुनीता यादव, मुन्नी बाई, सपना, प्रीति यादव आदि उपस्थित रहे।

वार्षिकी 2022

विश्वविद्यालय में घटना प्रधान एवं उपलब्धियों भरा रहा वर्ष 2022

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के लिए वर्ष 2022 उपलब्धियों का वर्ष रहा है. बुनियादी ढांचे के साथ साथ अकादमिक, सह शैक्षणिक और विभिन्न नवाचारी कार्यक्रमों की शुरुआत करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के चहुंमुखी विकास हेतु गतिविधियों की लम्बी श्रृंखला है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2022 की विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने कई नए पाठ्यक्रमों, पहले से सृजित पीठ को क्रियाशील करने, नए अकादमिक एवं शोध पीठों की स्थापना, नए शैक्षणिक समझौते, नए अकादमिक भवन, छात्रावास, विभिन्न केन्द्रों एवं प्रकोष्ठों की शुरुआत की है. आगामी वर्ष में विश्वविद्यालय न केवल अपने स्वरूप में बल्कि हर उन आयामों में विस्तार एवं विकास की ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा जो एक उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान के मानक हैं. उन्होंने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को दृष्टिगत रखते हुए पाठ्यक्रमों की संरचना में आवश्यक परिवर्तन एवं संशोधन किये गए हैं। यूजीसी के दिशा-निर्देशों के आलोक में विश्वविद्यालय अपनी पाठ्यक्रमों में यथोचित संशोधन के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य के अनुरूप क्रियान्वयन अभी भी जारी है. उन्होंने आगामी इस वर्ष के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए और नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे सभी शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी लगन और ऊर्जा के कार्य करते हुए डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विश्वविद्यालय विकास में सहभागी बनते हुए आने वाले वर्ष में भी उपलब्धियों को हासिल करेंगे, ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां वर्ष 2022

- भौतिक विज्ञान विभाग के 3 छात्र युवा वैज्ञानिक फेलोशिप से सम्मानित
- मध्य प्रदेश सरकार जूलॉजी विभाग के 4 छात्रों को अनुसंधान करने के लिए आईसीएमआर फैलोशिप से सम्मानित
- भूविज्ञान विभाग के लगभग 30 छात्रों को यूपीएससी जीएसआई प्री परीक्षा के लिए चयनित
- विधि विभाग के 7 छात्रों का मध्य प्रदेश सरकार के द्वितीय श्रेणी के सिविल न्यायाधीश के रूप में चयन
- 28 छात्रों ने जीपैट (फार्मेसी) उत्तीर्ण की
- 20 छात्रों ने यूपीएससी मुख्य भूवैज्ञानिक परीक्षा 2022 उत्तीर्ण की भारतीय छात्र संसद में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता एवं सम्मान शिक्षकों की उपलब्धियां
- डिपार्टमेंट ऑफ जनरल एंड एप्लाइड ज्योग्राफी फैकल्टी को साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा परियोजना स्वीकृत राशि- 79.52 लाख
- प्रोफेसर एडी शर्मा को एकात्म पर्व सम्मान
- विश्व के सर्वश्रेष्ठ 02 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में विश्वविद्यालय के छह शिक्षकों को स्थान प्रो. एस.पी. व्यास, प्रो. एन. के. जैन, माइक्रोबायोलोजी विभाग के प्रो. नवीन कानगो, वनस्पति विज्ञान के प्रो. एम एल. खान, डॉ. अश्विनी कुमार, रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. विमलेश चंद्रा (वर्तमान में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कार्यरत)
- मध्य प्रदेश सरकार का 3.5 करोड़ रुपये का डीबीटी-बिल्डर कार्यक्रम
- 4 शिक्षकों को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा पुरस्कृत किया गया
- डीएसटी के टीईसी प्रस्ताव के लिए सैटेलाइट स्टेशन (15 लाख रुपये) प्रबंधन विभाग को दिया गया
- डॉ छबील कुमार मेहर, हिंदी अधिकारी को कथेतर गद्य विधा में वागीश्वरी पुरस्कार, 2022 कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की विशिष्ट उपलब्धियां सदस्य, गवर्निंग बोर्ड, भारत-जर्मन विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार संसद टीवी के प्रमुख कार्यक्रम 'मुद्दा आपका' में सीयूईटी एवं यूजीसी द्वारा जारी करीकुलम फ्रेमवर्क विषय पर चर्चा हेतु विद्वत पैनल में सहभागिता

आयोजित कार्यक्रम

- 'सौंदर्यलहरी का लोक वाचन' कार्यक्रम
- मातृभाषा भाषा दिवस पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर 'ओपन हाउस चर्चा'
- विश्व श्रवण दिवस पर विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर
- 08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रख्यात पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव, श्रीमती स्मृति ईरानी एवं अन्य विशेषज्ञों का व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन
- 10-13 मार्च वेस्ट जोन खो-खो पुरुष प्रतियोगिता
- नवनिर्मित अब्दुल गनी खान स्टेडियम का लोकार्पण डॉ वीरेंद्र कुमार, कैबिनेट मंत्री
- भारत सरकार, प्रो ए डी एन बाजपेयी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा
- 4-15 मार्च 'वैदिक वांग्मय के विविध आयाम एवं प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी एवं. सांस्कृतिक संध्या का आयोजन
- 15 मार्च कम्युनिटी कॉलेज द्वारा 'वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन' पर पाठ्यक्रम
- प्रेरक व्याख्यान और बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता का पुरस्कार समारोह का आयोजन
- एनएसएस द्वारा प्लेसमेंट, स्टार्टअप एंड स्किल डेवलपमेंट सेल द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
- डब्ल्यूडी वेस्ट मेमोरियल क्रिकेट ट्रॉफी 2022, एप्लाइड जियोलॉजी विभाग द्वारा
- 'परीक्षा पे चर्चा' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्याख्यान कार्यक्रम का विश्वविद्यालय के 4 केंद्रों पर सजीव प्रसारण
- 26-27 मार्च मध्य प्रदेश इतिहास परिषद का 39वां अधिवेशन
- विश्वविद्यालय रिसर्च स्कॉलर्स के लिए एकेडमिक इंस्पायर रिसर्च इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन
- विधि विभाग द्वारा 'उभरते पीड़ित न्यायशास्त्र और इसका प्रभाव' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रो जी एस वाजपेयी, कुलपति राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विवि, पटियाला
- डॉ. हरीसिंह गौर के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं जीवन पर प्रो. बी. के श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम एवं व्याख्यान
- अम्बेडकर चेयर के तहत डॉ. अम्बेडकर जयंती समारोह
- विश्वविद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग द्वारा रक्तदान शिविर
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित कोविड टीकाकरण शिविर
- 18 अप्रैल से प्राम्भ कर 21 जून तक अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव
- स्वास्थ्य, सद्भाव और खुशी के लिए योग पर 10 दिवसीय कार्यशाला, 11-20 अप्रैल, 2022
- 26 अप्रैल तीसवाँ दीक्षांत समारोह, मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
- वाणिज्य दिवस-वाणिज्य उत्सव, वाणिज्य विभाग के छात्रों का आयोजन
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर 'भविष्य के विकास के लिए उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित
- विश्व तंबाकू दिवस पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एवं शपथ ग्रहण
- 05 से 11 जून विश्व पर्यावरण सप्ताह समारोह एवं वृक्षारोपण
- यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित एनईपी-2020 पर 4 दिवसीय कार्यशाला 13-17 जून, 2022
- 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस पर ब्लड डोनेशन 14.06.2022
- आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग परंपराओं पर 20 दिवसीय कार्यशाला 1जून से 20 जून 2022
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून पर व्याख्यान एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन
- 31जुलाई से 03 अगस्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर केंद्रित पुस्तक 'मोदी 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पर विविध कार्यक्रम एवं परिचर्चा, विशिष्ट व्याख्यान प्रो. संजीव शर्मा, पूर्व कुलपति, एमजी मोतिहारी विश्वविद्यालय, मोतिहारी (नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, प्रशासन और राजनीति के राजनीतिक जीवन के बीस वर्ष) पोस्टर प्रतियोगिताएं, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता
- एनईपी के क्रियान्वयन के मद्देनजर सागर जिले के प्राचार्यों की कार्यशाला
- यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा दसवां इंडक्शन प्रोग्राम
- 11 से 17 अगस्त आज़ादी का अमृत महोत्सव -स्वाधीनता सप्ताह- 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम- रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, सेल्फी विद तिरंगा, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति सहित विभिन्न कार्यक्रम
- 14-17 अगस्त विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 'विभाजन की विभीषिका' चित्र प्रदर्शनी
- 'मंकीपॉक्स = निवारक और उपचारात्मक उपाय' पर ऑनलाइन वेबिनार
- यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा गांधी जयन्ती पर 'स्वतंत्रता का मूल्यबोध और आज़ादी के 75 वर्ष- गांधी जी विचार, आचार और विहार
- विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा एनईपी-2020 के क्रियान्वयन (विशेष सन्द... एनपीएसटी पैरा 5.20 पर कार्यशाला का आयोजन
- श्रीकृष्ण प्रणामी स्वाध्याय पीठ द्वारा द्वतीय संवाद श्रृंखला का आयोजन
- न्यूट्रास्यूटिकल और फंक्शनल फूड के रूप मिलेट्स एवं न्यूट्रीशनल वैल्यू पर ऑनलाइन वेबिनार एचआरडीसी एवं स्वास्थ्य केंद्र द्वारा
- 'आत्मनिर्भर भारत बनाने में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला, विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर एवं रेडियेंट ग्रुप ऑ... इंस्टीट्यूशन, जबलपुर का संयुक्त आयोजन
- शिक्षक पर्व 2022 के अंतर्गत सेवानिवृत्त संकाय का व्याख्यान/अभिनंदन, एनईपी कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों के योगदान पर प्रदर्शनी, शैक्षिक फिल्मों की स्क्रीनिंग, पुस्तक वाच... एवं पैनल चर्चा
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेस पर वेबिनार आयोजन
- हिंदी दिवस पर व्याख्यान एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन
- राष्ट्रीय सिम्पोजियम जलवायु परिवर्तन कार्यशाला वर्तमान विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
- समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र एवं संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग सागर के संयुक्त तत्वाधान में शैक्षिक नेतृत्व के लिए ÷विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नीति, रीति एवं संदर्भ विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन
- डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं कृषि विषय पर तीन दिवसीय सिम्पोजियम का आयोजन दिनांक 16 से 18 सितम्बर तक
- 15 सितंबर को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंत... 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान' पर स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
- 19 सितंबर को ICC द्वारा "No Abuse Day पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित
- 1 अक्टूबर को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं अम्बेडकर फाउंडेशन के... एमओयू के तहत विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का विधिवत शुभारम्भ
- डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में च... निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं शोध संगोष्ठी दिनांक 07 ... 11 अक्टूबर 2022 तक . इसी के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम और अध्ययन सामग्री विकास पर

सागर

मंडे पॉजिटिव • देश में सिर्फ 6 नाइपर हैं, मोहाली नाईपर से है विवि के फार्मेसी विभाग का एमओयू

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के दो पूर्व छात्र बने नाईपर के डायरेक्टर, अब रायबरेली और अहमदाबाद से भी हो सकेगा एमओयू

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के दो पूर्व विद्यार्थी राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) के डायरेक्टर बने हैं। सागर विश्वविद्यालय से पहली बार कोई विद्यार्थी नाईपर के डायरेक्टर के पद पर पहुंचा है। उसमें भी एक साथ दो विद्यार्थी दो अलग-अलग नाईपर के डायरेक्टर बन गए हैं। इनमें से एक प्रो. शुभिनी ए सराफ नाईपर रायबरेली तो प्रो. शैलेंद्र सराफ नाईपर अहमदाबाद के डायरेक्टर नियुक्त हुए हैं। नाईपर फार्मेसी का सबसे बड़ा संस्थान है। देश में सिर्फ 6 नाईपर ही हैं। ऐसे में उनमें से 2 के डायरेक्टर सागर विवि के पूर्व विद्यार्थियों का एक साथ बनना बड़ी उपलब्धि है। सागर विश्वविद्यालय का फार्मेसी विभाग भी देश में प्रतिष्ठित है। अभी तक विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग का एमओयू नाईपर मोहाली से है। जिसके तहत यहां के विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक शोध संबंधित कार्यो के लिए मोहाली जाते हैं और वहां के शिक्षक-विद्यार्थी यहां आते हैं। अहमदाबाद और रायबरेली नाईपर में सागर विवि के पूर्व विद्यार्थियों के डायरेक्टर बनने से यहां भी विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के एमओयू हो सकेंगे। जिससे रिसर्च एक्सचेंज प्रोग्राम चलने से यहां के विद्यार्थियों और शिक्षकों को फायदा होगा। साथ ही शोध के संयुक्त प्रोजेक्ट भी किए जा सकेंगे। इससे विवि में शोध का दायरा बढ़ेगा।

प्रो. शुभिनी ने नैनोटेक्नोलॉजी के साथ हेल्थकेयर के लिए टेक्नोलॉजी पॉलिसी इंटरवेंशन के क्षेत्र में किया है शोध

प्रो. शुभिनी ए सराफ नाईपर रायबरेली की डायरेक्टर बनने से पहले बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में फार्मेसी विभाग में प्रोफेसर एवं डायरेक्टर आरएंडडी के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने प्रो. एसपी व्यास के निर्देशन में पीएचडी की। उनके पास 27 से अधिक वर्षों का शिक्षण और अनुसंधान का अनुभव है। उनके नाम 165 शोध पत्र हैं। उनका शोध नैनोटेक्नोलॉजी और ड्रग टार्गेटिंग, नॉवेल ड्रग डिलीवरी, लिपिड नैनोटेक्नोलॉजी के साथ-साथ हेल्थकेयर के लिए टेक्नोलॉजी पॉलिसी इंटरवेंशन के क्षेत्र में है। प्रो. सराफ नाईपर रायबरेली को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने और जिम्मेदार और कुशल पेशेवरों का एक समुदाय बनाने के दृष्टिकोण के साथ संस्थान में काम करने का लक्ष्य रखती हैं।

प्रो. शैलेंद्र सराफ ने हर्बल प्रौद्योगिकी, औषधीय पादप अनुसंधान और एनडीडीएस के क्षेत्र में किया है काम

प्रो. शैलेंद्र सराफ ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की पढ़ाई की है। उन्होंने प्रो. वीके दीक्षित के निर्देशन में अपना शोध पूरा किया। वे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मंदसौर में पदस्थ रहे। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में निदेशक और प्रौद्योगिकी संकाय के डीन के रूप में कार्यरत रहे। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़ के कुलपति भी रहे। उनका 16 से अधिक वर्षों से फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ लंबा संबंध है। इसके उपाध्यक्ष भी रहे। प्रो. सराफ फार्मेसी शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। उन्होंने हर्बल प्रौद्योगिकी, औषधीय पादप अनुसंधान और एनडीडीएस के क्षेत्र में काम किया है। यूजीसी, एआईसीटीई, एमपीसीओएसटी, सीजीसीओएसटी, डीएसटी जैसी बाह्य शोध निधि एजेंसियों द्वारा समर्थित कई शोध परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। वर्तमान में पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी में डीन के पद पर थे।

भारतीय विज्ञान सम्मेलन नागपुर में आयोजित इंडियन साइंस कांग्रेस 2023 में डा. गौर विश्वविद्यालय की कुलपति ने दिया संबोधन

सशक्त स्त्री चेतना की उपस्थिति से होगा राष्ट्र निर्माण : कुलपति

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2023 का आयोजन शनिवार को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय नागपुर में किया गया। कांग्रेस का मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी था। विज्ञान सम्मेलन में कांग्रेस के दौरान डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास में महिला वैज्ञानी प्रतिभाएं विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। सत्र में विषय विशेषज्ञों प्रो. रोहिणी गोडबोले, पंकज मित्तल, धृति बनर्जी और प्रो. बीजे राव ने देश के साइंटिफिक टेम्पर को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी और उसमे सुधार जैसे ज्वलंत मुद्दे को संबोधित किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विज्ञान में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाओं, खोजपूर्ण अनुसंधान में महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देने। क्यूरी नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुसंधान का समेकन, विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिला भागीदारी अनुसंधान जीएटीआइ कार्यक्रम ट्रांसफार्मिंग इंस्टीट्यूशंस के लिए जेंडर एडवांसमेंट आदि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर और विज्ञान का एक साथ सामना कर सकती हैं। कई मामलों में महिलाओं को योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं होती है। कई बार सामाजिक उत्तरदायित्व आड़े आ जाते हैं और कई मामलों में शादी के बाद जगह बदलने या पति के ट्रांसफर के कारण वे अपने काम को आगे नहीं बढ़ा पाती हैं। उन्होंने महिला वैज्ञानिकों के पूल के निर्माण में कई सुझाव भी दिए।

भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2023 का आयोजन तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय नागपुर में किया गया। ● नवदुनिया

हमें विज्ञान में अधिक लिंग आधारित अध्यन करने की आवश्यकताः पद्मश्री रोहिणी गोडबोले, उच्च ऊर्जा भौतिकी केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूरू ने कहा कि हमें विज्ञान में अधिक लिंग, आधारित अध्यन करने की आवश्यकता है, क्योंकि हमारे पास पर्याप्त डेटा नहीं है। इस पर काम करने के लिए सामाजिक और प्राकृतिक वैज्ञानिकों को एक साथ आना होगा। प्राकृतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पद्धतियों के अध्ययनों में ऐसे मूल्य जोड़ने होंगे जो अचेतन पूर्वाग्रह को तोड़ सकें। एआइयू के महासचिव डा. पंकज मित्तल ने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों महिला कुलपतियों की संख्या केवल छह प्रतिशत है। इसी तरह नोबल पुरस्कार पाने वाली महिलाओं की संख्या भी लगभग 6 प्रतिशत ही है। यह चिंताजनक स्थिति है। जूलाजिकल सर्वे आफ इंडिया की पहली महिला निदेशक डा. धृति बनर्जी ने कहा कि महिलाओं के उच्च प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। सक्षम होते हुए भी उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। केवल नीतियों से ही यह संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद के कुलपति प्रो. बीजे राव ने कहा कि जैविक विषमताए सामाजिक व्यवस्था और परिवार के पालन-पोषण ने बच्चों में, खासकर लड़कियों में एक मानसिकता पैदा की है कि वे इसके लिए तैयार नहीं हैं।

महिलाओं के अनुकूल व्यवहार विकसित किए जाएं

सभी विशेषज्ञों ने कहा कि इसके लिए बड़े नीतिगत बदलाव किए जाने चाहिए। परिसरों में महिलाओं के अनुकूल व्यवहार विकसित किए जाने चाहिए। अंशकालिक नौकरियों की भर्ती नीतियों में सक्रिय उपाय अपनाए जाने चाहिए ताकि महिलाओं का अनुसंधान के साथ संपर्क टूट न जाए। ऐसी भर्ती नीतियों पर ध्यान देना चाहिए जो महिला वैज्ञानिकों के करियर के विकास के लिए लाभकारी हों। विज्ञान के प्रति स्त्री भागीदारी को बढ़ाने के उपाय किये जाने चाहिएण् महिलाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान नेतृत्व संरचना में शामिल किया जाना चाहिए। इन सबके साथ ही विज्ञान में महिलाओं के लिए संस्थागत माहौल में सुधार किया जाना चाहिए। सत्र में विशेषज्ञों ने कहा कि महिलाएं समाज का 50 प्रतिशत योगदान करती हैं।

चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज से

सागर, देशबन्धु। योग शिक्षा विभाग डॉ.हरीसिंह गौर विवि द्वारा युवाओं के लिए योग पर आधारित चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन योगाचार्य विष्णु आर्य के मुख्यआतिथ्य एवं शिक्षा अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो.गणेश शंकर गिरि की अध्यक्षता में आज से प्रारंभ होगा। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रपति के पूर्व विशेष कर्तव्य अधिकारी एवं विवि एच.आर.डी.सी. के सह निर्देशक डॉ.कन्हैया त्रिपाठी उपस्थित रहेंगें। 9 से 12 जनवरी तक प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से युवाओं के लिए योग विषय पर आमंत्रित विद्वानों द्वारा स्वामी विवेकानन्द के ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग एवं राजयोग विषयों पर प्रेणनादायी व्याख्यान होंगें और सूर्यनमस्कार एवं प्रज्ञायोग का भी अभ्यास करवाया जायेगा।

विद्यार्थियों ने किया बरायठा के जलप्रपात का भ्रमण

बरायठा. डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विद्यार्थी जलप्रपात का भ्रमण करने बस से जाते हुए।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बरायठा. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के भूगोल विभाग के स्नातक सेमेस्टर-1 के विद्यार्थियों ने करई और खेरवहा बरायठा की पहाड़ी एवं उसरी जलप्रपात का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने करई खेरवाहा की भूगर्भिक संरचना, भू-आकृतियां बनावट तथा वनस्पतिक संरचना का भौगोलिक अध्ययन किया। भूगोल विभाग की सहायक प्राध्यापिका केके प्रजापति ने बताया कि भूगोल के प्रायोगिक विषय के अंतर्गत छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि करई गांव की पहाड़ी के व्यवहारिक एवं वास्तविक स्वरूप एवं भौगोलिक विशेषता को सूक्ष्म तरीके से अध्ययन करने का अवसर मिला, जिसमें उन्होंने कई प्रकार के स्थल रूपों को देखा और समझा। इस भ्रमण में मुख्य रूप से दयाराम यादव करई, डॉ. अजित कुमार , प्रो. स्नेहलता होरो, मनोज शंकर, रविदास और समस्त छात्र शामिल थे।

आयोजन योग शिक्षा विभाग ने युवाओं के लिए योग पर आधारित चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया

अध्यात्मिक प्रगति बिना गुरु के संभव नहीं है : योगाचार्य आर्य

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में डा. हरीसिंह गौर विवि के योग शिक्षा विभाग ने सोमवार को युवाओं के लिए योग पर आधारित चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने योगाभ्यास व नृत्य की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगाचार्य ध्यानेश्वर सरस्वती विष्णु आर्य ने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है साथ ही अध्यात्मिक प्रगति बिना गुरु के संभव नहीं है। एक योग्य अपने शिष्य को वह सब कुछ प्राप्त कर सकत है जो सामान्य प्राणियों के लिए दुर्लभ है। शिष्य में भी समर्पण और श्रद्धा की भावना प्रबल होनी चाहिए तभी गुरु उस शिष्य को योग्यता के आधार पर अपना सर्वस्व प्रदान करते हैं। स्वामी विवेकानन्द के जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए एक समाधीनिष्ठ व्यक्ति के गुणों पर श्री आर्य ने विस्तार से प्रकाश डाला।

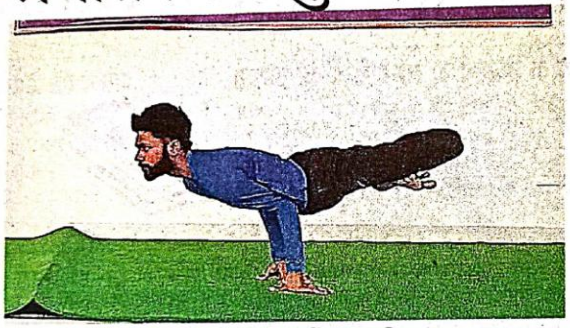

कार्यशाला के दौरान योगा की प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी। ● नवदुनिया

जीवन में प्रश्नों का उठना ही ज्ञान का उदय काल होता है। : मुख्य वक्ता के रूप में मानव संसाधन विकास केन्द्र के संहनिदेशक डा. कन्हैया त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में प्रश्नों का उठना ही ज्ञान का उदय काल होता है। आप और मैं, तुम और मैं का यथार्थ ज्ञान ही वास्तव में ज्ञान है। सृष्टि क्या है, परंपराएं क्या हैं, जीव क्या है, मृत्यु क्या है और सत्य क्या है, इन तात्त्विक प्रश्नों का समाधान के उत्तर खोजकर अपना व्यक्तित्त्व निर्माण किया। उनके व्यक्तित्त्व की आभा से सारा विश्व आज भी आलोकित हो रहा है। उन्होंने कहा कि योग विद्या स्वामी विवेकानन्द जैसे पराक्रमी व्यक्तित्वों के निर्माण की आध्यात्मिक ज्ञान परंपरा है। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को न अपनाने के कारण ही हमारे समाज में परंपरागत नैतिकता के पतन का कारण बनी है।

12 जनवरी तक चलेगी कार्यशाला

योग विभागाध्यक्ष प्रो . गणेश शंकर गिरि ने स्वागत भाषण में कहा कि डा. हरीसिंह गौर विवि के योग विभाग द्वारा 9-12 जनवरी 2023 तक प्रातः 7.30 से 9.30 बजे तक युवाओं के लिए योग विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जीवन दृष्टिकोण मार्गदर्शन के साथ प्रायोगिक अभ्यास करवाया जा रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द जी के ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग एवं राजयोग की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वामी जी ने इन विषयों पर पूरे विश्व में जगह जगह युवाओं के लिए योग द्वारा व्यक्तित्व निर्माण कें लिए प्रेरणा दायक मार्गदर्शन किया हैं। योग विभाग उनके जन्म दिवस को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में 12 जनवरी को याद कर युवा दिवस मनाता है।

डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण समारोह आज विवि में

सागर. डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ईएमआरसी विभाग द्वारा निर्मित लोकोपारी संत गणेश प्रसाद वर्णी के जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण समारोह 10 जनवरी मंगलवार को 2 बजे जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय सभागार में होगा. सेंटर के निदेशक डा. पंकज तिवारी ने बताया कि मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन, अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. विशिष्ट अतिथि प्रो. अभय सिंघई होंगे. उल्लेखनीय है कि क्षुल्लक गणेश प्रसाद वर्णी का जैन विद्या के क्षेत्र में विलक्षण योगदान रहा है. वर्णीजी द्वारा 1905 में काशी में शुरू किए गए स्याद्ववाद महाविद्यालय के कार्यकारणी सदस्य डॉ संजीव सराफ ने बताया कि बुंदेलखंड के संत वर्णी जी ने काशी में जैन अध्ययन का जो केंद्र स्थापित किया वह देश भर में अपनी श्रेष्ठता के लिए जाना जाता है.

भोपाल 10 जनवरी 2023

डॉ. गौर पीठ में व्याख्यान का आयोजन

जागण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में डॉ गौर पीठ के तत्वावधान में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला के प्रथम सोपान के रूप में पूर्व कुलपति प्रो.आशा शुक्ला ने आमंत्रित अतिथि के रूप में कहा कि डॉ.हरीसिंह गौर ने शिक्षा के माध्यम से सागर को पूरे विश्व में पहचान दिलाई। प्रो शुक्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान देते हुए कहा कि डॉ गौर ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए अनेक आयाम स्थापित किये। प्रबंधन और विकास पर प्रो.रवीन्द्र शुक्ला ने विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में गौर पीठ के समन्वयक प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत ने डॉ गौर के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। शोधार्थी ज्योति भारद्वाज और अनुराधा शुक्ला ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट उपलब्धि का स्वागत किया।

विश्वविद्यालय परिवार का मिलन

सागर@पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में नववर्ष 2023 के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में विश्वविद्यालय परिवार मिलन समारोह का आयोजन गौर समाधि प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, प्रॉक्टर प्रो. चंदा बेन, प्रो. संजय जैन, प्रो. देवाशीष बोस, प्रो. जीएल पुणतांबेकर, प्रो. जेके जैन, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, कुलसचिव संतोष सहगौरा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र गादेवार आदि मौजूद थे।

लोकोपकारी संत वर्णी जी पर वृत्तचित्र का प्रदर्शन

विवि में वर्णी प्राकृतिक पीठ के गठन के प्रयास होगें, गौर हैरीटेज सेंटर का प्रस्ताव भेजा जायेगा सरकार को

नवभारत न्यूज

सागर 10 जनवरी. विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि वर्णी जी विराट व्यक्तित्व के धनी थे. उनके अवदान उचित का मूल्यांकन हो सके इसके लिए वर्णी जी पर विश्वविद्यालय में एक शोध पीठ स्थापित होने की जरूरत है. वो एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जैन धर्म के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. देश भर में संस्कृत की अनेक पाठशालाएं खोलीं, अनगिनत यात्राएं कीं और ढेर सारे साहित्य का सृजन किया. बनारस में बना स्याद्ववाद महाविद्यालय उनके ही प्रयास का प्रतिफल है. वो न सिर्फ संत थे बल्कि समाज सुधारक भी थे जो तत्कालीनु कुरीतियों और वैमनस्यता के विरुद्ध संघर्षरत रहे.

विधायक श्री जैन डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय सभागार में संत गणेश प्रसाद वर्णी के जीवन पर केंद्रित डाक्यूमेंट्री के लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज मल्टीमीडिया का दौर है. बुंदेलखंड के इस महानायक के व्यक्तित्व को राष्ट्रीय क्षितिज पर ले जाने की आवश्यकता है. इस डाक्यूमेंट्री के माध्यम से दूरदर्शन और राष्ट्रीय स्तर के चैनल्स में प्रसारित किए जाने से नई पीढ़ी तक एक संदेश जाएगा. उन्होने कहा कि विवि द्वारा गौर हैरीटेज सेंटर का प्रस्ताव सरकार को भेजा जायेगा. ईएमएमआरसी के डायरेक्टर पंकज तिवारी ने वृतचित्र के बारे में जानकारी दी. विशिष्ट अतिथि प्रो. अभय सिंघई ने कहा कि मेरी जीवनगाथा को पढ़कर वर्णी जी का संपूर्ण व्यक्तित्व और संघर्ष को समझा जा सकता है. संचालन डॉ संजीव सराफ ने किया. आभार डॉ संजय जैन ने माना. इस दौरान प्रो. सुबोध जैन, डॉ आशा जैन, ब्र. राकेश जैन, अरविंद रवि, संतोष सोहगौरा, संतोष जैन घड़ी, प्रमोद वारदाना, शुकदेव प्रसाद तिवारी, प्रो. अमर जैन, समीर जैन, डा. आशोष द्विवेदी, रशिम रितु जैन मौजूद रहे.

आयोजन विश्व हिन्दी दिवस पर विश्वविद्यालय में प्रवाहित हुईं युवा काव्य की त्रिवेणी

युवा प्रतिभाओं और नयी संभावनाओं से ही उज्जवल होगी हिन्दी की वैश्विक छवि: प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी

आचरण संवाददाता।

सागर। हिन्दी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि सागर और वनमाली सृजन केंद्र, सागर द्वारा नन्ददुलारे बाजपेयी सभागार में रचना-पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो.आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी विभाग की प्रतिष्ठा अपने अकादमिक कार्यक्रमों के साथ ही रचनात्मक आयोजनों को लेकर भी है। मुझे प्रसन्नता है कि हमारे इस आयोजन में वनमाली सृजन केंद्र, सागर सहभागिता कर रहा है।

आप सभी जानते हैं कि वनमाली सृजन पीठ हिन्दी भाषा और साहित्य की प्रगति के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। हिन्दी विभाग और वनमाली सृजन केंद्र सागर के इस साझे आयोजन का उद्देश्य हिन्दी भाषा में सृजनरत युवा प्रतिभाओं और नयी संभावनाओं को मंच और अवसर प्रदान करने तथा वैश्विक स्तर पर हिन्दी की भूमिका का रेखांकन करना है। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के शोधछात्र हरीशंकर काछी ने विमल गुटका शीर्षक से फिल्म अभिनेताओं के मादक पदार्थों के विज्ञापन पर व्यंग्य किया। सृष्टि सिंह ने तरन्नुम में 'हकीकत से जब सामना हो गया, पलक से गयी उतारी खुमारी गयी',अपनी गजल सुनाकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान किया। एम.ए. के विद्यार्थी अनुराग मिश्रा ने वीर रस की कविता 'वह खून कहो किस मतलब का, सुनाया। विवि के कर्मचारी महेश कुर्मी ने शिक्षा, ज्ञान और गुरु के महत्व पर अपनी कवितायें सुनाईं। जामिया मिलिया इस्लामिया विवि नई दिल्ली की शोधार्थी और सागर विवि में इन्टर्नशिप कर रहीं शिवानी ने 'कुछ जंजीरों को आजाद करुं, धरती को फिर से महकाऊं, जैसी खास कविता का पाठ किया। नीरज कुमार ने 'रोज रोज हर रोज' शीर्षक से कविता पड़ी। एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी प्रेम ने ' क्या तुम साथ मेरे चल पाओगी', हर्षित कुमार शुक्ल ने हिन्दी की महत्ता को रेखांकित करते 'सुन सखी मैं सुता संस्कृत की, हिन्दी मेरा नाम रे' कविता पड़ी। राजकुमार अहिरवार ने 'पता नहीं तुम किसे देख रही हो' शीर्षक कविता पड़कर कार्यक्रम को आनंदित किया। शोधार्थी सूर्यकांत त्रिपाठी ने 'छोड़ आया हूं संपर्पित आज तेरा नेह सारा' गीत सुनाया। बी.ए. बीएड् के छात्र श्याम सुंदर तिवारी ने 'बेटा होना आसान नहीं' कविता का पाठ किया। शोधार्थी हरिओम ने 'गांव भी अब शहर होते जा रहे हैं' शीर्षक कविता का पाठ किया। कृति सिंह ने 'नरजागियों का बहाव और प्यार' शीर्षक कविता का पाठ किया, तो वहीं योग विभाग के शोध छात्र ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए अपनी कविता का पाठ किया। हिन्दी के शोधार्थी राम धीरज ने 'तब जनों बसंत आया है' शीर्षक कविता पढ़ा जो बसंत की सामाजिक भूमिका से संदर्भित था। गोविंद सिंह विहान ने 'मुद्दा. कोई नया उछलो शीर्षक से राजनीतिक परिदृश्य पर सार्थक टिप्पणी की। इसके साथ ही चित्रांश और हर्ष केशवरवनी ने भी अपनी कवितायें सुनाई। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के शोधार्थी शैलेंद्र सिंह यादव ने किया और राम धीरज ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र यादव, वनमाली सृजन केंद्र, सागर के अध्यक्ष/संयोजक डॉ. आशुतोष, डॉ, हिमांशु, डॉ. अफरोज बेगम, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. शशि कुमार सिंह, डॉ.रामहेत गौतम, डॉ.अवधेश कुमार, डॉ.सुजाता मिश्रा, प्रदीप कुमार, आकाक्षा जैन के साथ बड़ी संख्या में विवि के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में गणेशप्रसाद वर्णीजी पर केंद्रित समग्र डॉक्यूमेंट्री का लोकार्पण

ईएमआरसी ने किया है समग्र जीवन पर वृत्तचित्र तैयार

जागरण न्यूज,

डॉ.हरीसिंह गौर विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में मंगलवार को संत गणेशप्रसाद वर्णी के जीवन पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री का गरिमामय कार्यक्रम में लोकार्पण किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों सहित विवि परिवार और गणमान्य नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि विवि में जल्द ही वर्णीजी को समर्पित पीठ की स्थापना होगी। इसके लिए सागर विधायक शैलेंद्र जैन ने पांच लाख रुपए देने की घोषणा भी की। मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि वर्णी जी विराट व्यक्तित्व के धनी थे। उनके अवदान का मूल्यांकन हो सके इसके लिए वर्णीजी पर विश्वविद्यालय में एक शोध पीठ स्थापित होने की जरूरत है। वो एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जैन धर्म के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशभर में संस्कृत की अनेक पाठशालाएं खोलीं, अनगिनत यात्राएं कीं और ढेर सारे साहित्य का सृजन किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज मल्टीमीडिया का दौर है। बुंदेलखंड के इस महानायक के व्यक्तित्व को राष्ट्रीय क्षितिज पर ले जाने की आवश्यकता है। इस डाक्यूमेंट्री के माध्यम से दूरदर्शन और राष्ट्रीय स्तर के चैनल्स में प्रसारित किए जाने से नई पीढ़ी तक एक संदेश जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ऐसे महापुरुषों पर शोध किया जाना है। वर्णी जी का कृतित्व उन्हें एक लोकोपकारी संत बनाता है। ईएमआरसी ने इस डाक्यूमेंट्री से उनके जीवन के सभी पहलुओं को उकेरा है। इस पर और भी काम किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि प्रो.अभय सिंघई ने कहा कि वर्णी जी ने उत्तर भारत में संस्कृत की अनेक पाठशालाएं खोलीं। सागर के वर्णी भवन से लेकर बनारस तक जैन अध्ययन के केंद्र उन्हीं की देन हैं। उनकी आत्मकथा मेरी जीवनगाथा को पढ़कर वर्णीजी का संपूर्ण व्यक्तित्व और संघर्ष को समझा जा सकता है। ईएमआरसी के निदेशक डॉ.पंकज तिवारी ने कहा कि वर्णी जी पर यह फिल्म एक लघु प्रयास है। उनके जीवन के अनेक अध्यायों पर काम शेष है। वर्णी जी सागर ही नहीं समूचे राष्ट्र की धरोहर हैं। इस दौरान समाज के प्रो.सुबोध जैन, डॉ आशा जैन, राकेश जैन, अरविंद रवि ने भी वर्णी जी पर अपने विचार रखे। संचालन उप पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ.संजीव सराफ ने और आभार प्रो.संजय जैन ने माना। इस अवसर पर कुलसचिव संतोष सोहगौरा, संतोष जैन घड़ी, प्रमोद ब्रारदाना, शुकदेव प्रसाद तिवारी, प्रो.अमर कुमार जैन, समीर जैन, डॉ.आशीष द्विवेदी, रश्मि रितु जैन, संतोष पटना, डॉ अरुण सिंघई, समर्थ दीक्षित, संजू कंट्रोल, सुकमाल जैन, दीपक सिंघई, निधि जैन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर वर्णीजी द्वारा स्थापित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने वर्णीजी पर पहली बार डॉक्यूमेंट्री का निर्माण करने पर कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता का सम्मान भी किया गया।

निष्कपट भाव से ईश्वर की खोज को भक्तियोग कहते हैं

कार्यशाला में योग प्राणायाम करते हुए युवक-युवतियां। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। ज्यों-ज्यों ईश्वर से लगाव बढ़ता जाता है तब सांसारिक वस्तुओं से लगाव कम होने लगता है। भावना प्रधान और प्रेमी प्रकृति वाले व्यक्ति के लिए उपयोगी है। यह बात योग विशेषज्ञ पंडित गोवर्धन पटैरिया ने योग शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद का योग में अवदान विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला में कही।

उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य स्वार्थयुक्त उद्देश्य लेकर ईश्वर का ध्यान करता है तब तक वह भक्तियोग की परिधि में नहीं आता। पराभक्ति ही भक्तियोग है, जिसमें मुक्ति को छोड़कर अन्य कोई अभिलाषा नहीं होती। स्वामी विवेकानन्द ने भक्तियोग को सर्वोच्च मानते हुए उन्होंने कहा कि निष्कपट भाव से ईश्वर की खोज को भक्तियोग कहते हैं। इस खोज का आरंभ, मध्य और अंत प्रेम में होता है ईश्वर के प्रति एक क्षण की भी प्रेमोन्मत्तता हमारे लिए शाश्वत मुक्ति को देने वाली होती है। स्वामी विवेकानन्द जी कहते हैं भगवान के प्रति उत्कट प्रेम ही भक्ति है। जब मनुष्य इसे प्राप्त कर लेता है तो सभी उसके प्रेमपात्र बन जाते हैं।

सामूहिक प्रज्ञायोग का

व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होता है

योग विभागाध्यक्ष प्रो. गणेश शंकर गिरि ने कहा कि युवावर्ग द्वारा योग द्वारा व्यक्तिगत शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन की विद्या का जीवन में दिनचर्या के रूप में अनुसरण बेहद प्रभावशाली सबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का सबसे बड़ा मित्र परमात्मा होता है। यदि इस रहस्य को व्यक्ति समझ लेता है तभी वह योग मनोविज्ञान का साधक बन सकता है। सूर्य नमस्कार के प्रथम मंत्र ऊँ मित्राय नमः से भी यही बात साबित होती है कि हम परमात्मा के दृष्टिगोचर प्रकाशित स्वरूप सूर्यरूपी मित्र को प्रणाम करते हैं।

अभ्यासः कार्यशाला का प्रारंभ यौगिक प्रार्थनाओं से हुआ। इसके बाद प्रतिभागियों ने सामूहिक प्रज्ञायोग का अभ्यास मंत्रोच्चार सहित किया। विभागीय विद्यार्थी पुंज अग्रवाल ने सरस्वती बंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। भक्तियोग पर केंद्रित भजन इकबाल सिंह ने गाया। स्वागत डा. नरेन्द्र चौरसिया ने किया। संचालन छात्रा समीक्षा तिवारी एवं स्वाति शुक्ला ने किया।

सुबह पोस्टमार्टम होगा।

अंशिता और भवानी को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विवि के रसायन विभाग की अंशिता वार्ष्णेय और भवानी चक्रवर्ती को आगरा में आयोजित इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट के 41वें एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस 27-29 दिसंबर 2022 के दौरान अपने रिसर्च पेपर की प्रस्तुति हेतु युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त हुआ है। अंशिता को जीके चतुर्वेदी मेमोरियल अवार्ड बेस्ट ओरल से सम्मानित किया गया और भवानी को प्रो.शिवराज एवं डॉ.एनजेपी शुभासिनी अवॉर्ड बेस्ट ओरल अवार्ड एवं डॉ.आरके अग्रवाल बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर डॉ.विवेक तिवारी, रवि भूषण पाठक, रामनाथ प्रजापति, अंकित चौबे, विनयश्री त्रिपाठी, शिवांशु, अरुणेष मिश्रा, स्वतंत्र अग्रवाल, दीपशिखा गुप्ता समेत विभाग के समस्त शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने उन्हें बधाई दी है।

सतना विवि में रंगमंचीय विधाओं में सागर ओवरऑल चैंपियन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. सतना के एकेएस विश्वविद्यालय में आयोजित 5 दिवसीय 36 वं अंतरविश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव एकेएस उत्सव में डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 42 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने भाग लिया। 4 विधाओं में जीत हासिल कर राष्ट्रीय युवा उत्सव में जगह बनाई।

विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल ने नृत्य, रंगमंच, संगीत, ललित कला एवं साहित्यिक की 26 विधाओं में प्रतिभागिता की। दल ने सांस्कृतिक रैली में प्रथम, एकांकी में द्वितीय, प्रहसन में द्वितीय स्थान के साथ रंगमंचीय विधाओं में ओवरऑल चैंपियनशिप प्राप्त की। इसके साथ ही संगीत की विधा फोक ऑर्केस्ट्रा में प्रथम, समूह भारतीय गायन में चतुर्थ, एकल शास्त्रीय वादन में पंचम, मेंहदी में तृतीय और प्रश्नमंच में पंचम स्थान प्राप्त किया। समस्त विधाओं की प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों के आधार पर ओवरऑल चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

दल प्रभारी के रूप में डॉ. राकेश सोनी व यशा श्रीवास्तव टीम में सम्मिलित थे। नाटक, प्रहसन, फोक ऑर्केस्ट्रा और मेंहदी के विजयी प्रतिभागी 24-28 फरवरी को जैन यूनिवर्सिटी बैंगलोर में आयोजित राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एडी शर्मा ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी।

विवि की दो छात्राओं को मिला युवा विज्ञानी पुरस्कार

कार्यक्रम के दौरान विवि की छात्राओं को सम्मानित किया गया। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की रसायन विभाग की दो छात्रा अंशिता वार्ष्णेय और भवानी चक्रवर्ती को आगरा में आयोजित इंडियन काउंसिल आफ केमिस्ट के 41 वे एनुअल नेशनल कांफ्रेंस 27-29 दिसंबर 2022 के दौरान अपने रिसर्च पेपर की प्रस्तुति के लिए युवा विज्ञानी पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

दोनों ही छात्राओं को कुलपति आशु रानी द्वारा उन्हें पुरस्कार वितरित किया गया। अंशिता वार्ष्णेय को प्रोफ़ेसर जीके चतुर्वेदी मेमोरियल अवार्ड बेस्ट ओरल से सम्मानित किया गया एवं भवानी चक्रवर्ती को प्रोफ़ेसर शिवराज एवं डाक्टर एनजेपी शुभासिनी अवार्ड बेस्ट ओरल अवार्ड एवं डा. आरके अग्रवाल बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। दोनों ही छात्राएं वर्तमान में रसायन विभाग के प्रमुख प्रोफ़ेसर एपी मिश्रा के पर्यवेक्षण में कार्यरत हैं। उनकी इस उपलब्धि पर डा विवेक तिवारी, रवि भूषण पाठक, रामनाथ प्रजापति, अंकित चौबे, विनयश्री त्रिपाठी, शिवांशू, अरुणेष मिश्रा, स्वतंत्र अग्रवाल, दीपशिखा गुप्ता सहित विभाग के समस्त शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने उन्हें बधाई दी है।

डॉ. चौहान ने गौर पीठ को दान दिये एक लाख रुपये का चैक कुलपति को सौंपा

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विवि में गौर पीठ के शुभारम्भ के साथ ही लोगों में दान देने के लिये उत्साह बढ़ता जा रहा है। इसी श्रंखला में डॉ.प्रदीप चौहान और डॉ. ज्योति चौहान ने दान राशि एक लाख रुपये का चैक कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं गौर पीठ समन्वयक प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत को सौंपा। उल्लेखनीय है कि डॉ.प्रदीप चौहान डॉ.हरीसिंह गौर के वंशज भी हैं। डॉ.चौहान के द्वारा गौर पीठ को दान राशि के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा डॉ.गौर के प्रति लोगों के मन में श्रद्धा भाव अपार है और इसी लिए लोग स्वयं प्रेरित होकर दान राशि के आगे आ रहे हैं। गौर पीठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा गौर पीठ के तत्वावधान में शीघ्र ही डॉ.गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित शोध कार्य प्रारंभ होंगे।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार 15 जनवरी को सागर आएंगे

सागर,आचरण। केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार 15 जनवरी को सागर आएगें और डॉ. हरिसिंह गौर विष्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। बदौरा कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार 14 जनवरी को अपरान्ह 3.25 रतलाम रेलवे स्टेषन से एडीआई जीके एक्सप्रेस ट्रेन से प्रस्थान कर 15 जनवरी रात्रि सागर पहुंचेगे। सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। सागर में डॉ. हरिसिंह गौर विष्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात सागर से अपरान्ह 3.30 बजे क्षिप्रा एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

विवि में यादों को साझा करेंगे पूर्व छात्र

आयोजन ● पहली बार बड़े स्तर पर हो रहे समारोह में देश-विदेश से आएंगे अधिकारी, जनप्रतिनिधि

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में पहली बार 15 जनवरी से हो रही मेगा एलुमनी में देश और विदेशों में कार्यरत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि सागर आएंगे। आयोजन में अभिनेता आशुतोष राणा, मुकेश तिवारी और गोविंद नामदेव आदि के भी शामिल होने की संभावना है। कुलपति प्रो.. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में विवि परिसर में दो दिनों तक चलने वाले इस समारोह की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं, जिसमें पूर्व छात्र विवि भ्रमण और अपने गुरुओं से मुलाकात कर नए विद्यार्थियों को सफलता का संदेश देंगे।

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय भवन ● फाइल फोटो

विवि में 15 एवं 16 जनवरी को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम मेगा एलुमनी सम्मलेन की तैयारियां अपने अंतिम स्वरुप में हैं। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के इस सम्मलेन में भाग लेने के लिए निरंतर पंजीयन हो रहे हैं। आयोजन के प्रथम दिन 15 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे उद्घाटन होगा, जिसमें केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र वीरेंद्र कुमार मुख्य अतिथि होंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, खनिज विकास निगम अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मोकलपुर, महापौर संगीता तिवारी, सांसद राजबहादुर सिंह सहित जिले के विधायक होंगे।

पूर्व छात्र अपनी पुरानी यादों व अनुभवों को करेंगे साझाः विवि के केंद्रीय विवि बनने के दिवस को स्थापना दिवस के रूप में मनाने की परंपरा के अंतर्गत विवि के ही पूर्व छात्र और संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी का भाषा, राजनीती और हमारी शिक्षा नीति विषय पर व्याख्यान होगा। इसके बाद दोपहर में पूर्व छात्रों का प्रथम परिचय सत्र आयोजित होगा, जिसमें सम्मलेन में शामिल पूर्व छात्र अपनी पुरानी यादों और अनुभवों को साझा कर अपने साथियों से रूबरू होंगे। इसी दिन शाम को आयोजित संस्कृतिक संध्या के बाद रात्रि भोज से कार्यक्रम का समापन होगा।

छात्रों के लिए पांच सौ व अन्य के लिए एक हजार रुपये पंजीयन शुल्कः मेगा एलुमनी के लिए देश भर से रोज ही पंजीयन हो रहे हैं। एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने यह अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस प्रथम प्रयास को सफल बनाने अपना पंजीयन कराएं। इस दो दिवसीय आयोजन में छात्रों के पंजीयन की शुल्क 500 रुपये और शेष सभी के लिए एक हजार रुपये निर्धारित की है। विवि की वेबसाइट पर और शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे पोस्टर में अधिक जानकारी दी गई है। एलुमनी एसोसिएशन की तैयारियां पिछले तीन माह से चल रही हैं, जिसको लेकर कार्यकारिणी का गठन कर एक पूर्व में एक कार्यक्रम भी हो चुका है। विवि के इतिहास में पहली बार होने वाली इस मेगा एलुमनी सम्मलेन में सभी विभागों के देश-विदेश में रहने वाले और अपने-अपने में उच्च शिखर पर पहुंची हस्तियां अपने शिक्षा के मंदिर में आकर अपनी यादों को ताजा करेंगे।

अपने विभागों का भ्रमण कर नई पीढ़ी से करेंगे मुलाकात

सम्मलेन के दूसरे दिन प्रातः 9:30 बजे एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक और पूर्व छात्रों के परिचय का दूसरा सत्र भी होगा इसी दिन पूर्व छात्र अपने-अपने विभागों का भ्रमण कर विवि की नई पीढ़ी से मुलाकात भी करेंगे। इस मेगा एलुमनी सम्मलेन का समापन सत्र दोपहर 2 बजे से होगा जिसके मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते होंगे। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, परमाणु खनिज संचालानालय के पूर्व निदेशक पीएस परिहार होंगे। कार्यक्रमों की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निलीमा गुप्ता करेंगी।

अच्छे वर वधु के चयन में परिचय सम्मेलन सबसे उपयुक्त मंचः कुलपति

आचरण संवाददाता

सागर। सागर में चल रहे अग्रवाल समाज के परिचय सम्मेलन सह अग्र भागवत कार्यक्रम के द्वितीय दिवस मुख्य अतिथि के रूप में डॉ गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा महाराजा अग्रसेन जी एवं महालक्ष्मी जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हमें गर्व है कि हम उस समाज के सदस्य हैं जिसे सेवाभावी समाज कहा जाता है हमारे समाज के पितामह ने आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले एक रूपया एक ईंट का नारा देकर ना केवल एक नगर बसाया बल्कि हर व्यक्तियों को व्यापारिक रूप से सक्षम बनाया उसी सिद्धांत पर चलते हुए हम आज भी सेवा कार्य में तत्पर हैं उन्होंने परिचय सम्मेलन आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि अच्छे जीवनसाथी के चयन में परिचय सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका है पर अब हमें आधुनिक परिवेश के साथ सोच को

बदलना होगा और परिचय सम्मेलन आयोजन में मल्टीमीडिया और सोशल मीडिया के माध्यमों को भी शामिल करना होगा। उन्होंने अग्रोहा धाम जैसे ही सागर में भी महाराजा अग्रसेन जी का विशाल भवन निर्माण करने का समाज से आव्हान किया। परिचय सम्मेलन मे परिचय का दौर निरंतर जारी रहा जिसमें समाज के विवाह योग्य युवतियों ने आगे आकर परिचय दिया एवं जीवन साथी के बारे में अपने विचार रखें। अग्र भागवत कथा आयोजन में कथा वाचिका द्वारा आज महाराजा अग्रसेन जी के नाग वंशी कन्यां माधुरी जी से विवाह के प्रसंग एवं महाराज अग्रसेन जी के आदर्श शासन व्यवस्था का वृतांत सुनाते हुए कुलदेवी महालक्ष्मी जी के द्वारा महाराजा अग्रसेन जी को उनके वंशजों को समृद्धि एवं वैभव का आशीर्वाद देने महालक्ष्मी वरदान का वृत्तांत सुनाया गया। संगीतमय कथा में कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं महाराज अग्रसेन जी एवं अगर माधवी देवी की के स्वरूप भव्य झांकी स्वरूप में दर्शन कराए गए कथा के दौरान उपस्थित मातृशक्ति एवं समाज जन ने अग्रसेन जी के विवाहोत्सव पर उल्लास से नृत्य किया।

सचिव मोहन अग्रवाल ने बताया है कि परिचय सम्मेलन के अंतिम दिवस मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह जी एवं सागर महापौर संगीता सुशील तिवारी उपस्थित रहेंगे।

आयोजन में भोपाल से मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सविता अग्रवाल श्रीमती रश्मि अग्रवाल युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल सहित प्रदेश भर से आए समाज जन उपस्थित रहे।

शिक्षा | यूजीसी के करीकुलम फ्रेमवर्क के अनुरूप तैयार किया जा रहा प्रस्ताव

अब 4 साल का होगा पत्रकारिता कोर्स, डिग्री पूरी करने के बाद सीधे कर सकेंगे पीएचडी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचार एवं पत्रकारिता विभाग के स्वरूप में बदलाव होने जा रहा है। नए सत्र से पत्रकारिता का चार वर्षीय डिग्री कोर्स शुरू होने की संभावना है। साथ ही इसके बाद विद्यार्थी सीधे पीएचडी भी कर पाएंगे। नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के तहत विवि प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। अभी स्नातक कोर्स के साथ एक वर्षीय यूजी और दो वर्ष का पीजी कोर्स है। यह पहला मौका है जब विवि केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर संचार एवं पत्रकारिता विभाग को चलाएगा।

जानकारी के अनुसार पहले आनर्स के रूप में डिग्री कोर्स का प्रस्ताव बनाया गया था, लेकिन वह पूरी तरह से पारित नहीं हो पाया था। अब यूजीसी के करीकुलम फ्रेमवर्क के अनुरूप संचार एवं पत्रकारिता विभाग में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में तीन विभागों की एकीकृत भवन बनाने को मंजूरी मिल चुकी है। इसमें संचार एवं पत्रकारिता, देशज ज्ञान अध्ययन केंद्र और पर्यावरण विभाग शामिल हैं। इसके लिए 11 करोड़ रुपए की राशि मंजूर हो चुकी है। इस भवन में खासबात यह है कि इसमें एक छोटा ऑडिटोरियम होगा। ऑडियो-वीडियो रूम, प्रोडक्शन लैब, विभागीय पुस्तकालय, शोधार्थी कक्ष, स्मार्ट क्लास रूम आदि की सुविधाएं होंगी।

घट रही विद्यार्थियों की रुचि, 16 हुए दाखिले

पत्रकारिता विभाग में दाखिला लेने को लेकर साल दर साल विद्यार्थियों की रुचि कम हो रही है। हर साल काफी सीटें खाली बच रही हैं। पिछले सत्र में यूजी की 25 सीटों में से सिर्फ 4 दाखिले हुए हैं। जबकि पीजी कोर्स में 16 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। अगले सत्र में यदि चार वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू होता है तो सीटों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो सकती है।

यूजीसी के करीकुलम फ्रेमवर्क के अनुरूप संचार एवं पत्रकारिता विभाग में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। नए सत्र में इसके शुरू होने की संभावना है।

डॉ. विवेक जयसवाल, मीडिया अधिकारी

आयोजन विश्वविद्यालय में मनाया गया मकर संक्रांति पर्व

भारतीय संस्कृति एवं परंपरा में निहित हैं एकता के सूत्रः कुलपति

आचरण संवाददाता

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में मकर संक्रांति के अवसर पर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत नागालैंड विश्वविद्यालय के साथ आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में बोलते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा और संस्कृति में एकता के सूत्र निहित है। भारतीय संस्कृति ऐसे कई पारंपरिक अवसरों एवं त्योहारों से समृद्ध है जिनके माध्यम से एकता और अखंडता का संदेश प्रवाहित होता है। कार्यक्रम में दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने संवाद कर भारतीय संस्कृति में निहित एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विविध पक्षों एवं अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मकर संक्रांति के व्यंजनों का स्वल्पाहार कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं एनएसएस के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मकर संक्रांति के हर्ष का प्रतीक पतंगबाजी भी की। कार्यक्रम में विवि के

शिक्षक प्रो अम्बिकादत्त शर्मा, प्रो आर के त्रिवेदी, प्रो सुबोध जैन, प्रो चंदा बेन, डॉ ललित मोहन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, डॉ एस पी उपाध्याय, डॉ राजेन्द्र यादव, डॉ हिमांशु, डॉ पुष्पल, डॉ नीरज, डॉ पंकज तिवारी सहित कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सागर आचरण। पूर्व छात्र महासमागम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता विवि के पूर्व छात्र भूपेन्द्र सिंह का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए इस दौरान राजेन्द्र सिंह मोकलपुर, सुशील तिवारी, सुखदेव मिश्रा व नेवी जैन भी मौजूद थे।

एलुमिनी एसोशिएशन के अध्यक्ष प्रो. के एस पित्रे से चर्चा करते हुए पूर्व छात्र सुनील जैन एवं श्रीमती निधि जैन साथ में हैं राजेश मलैया

केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार विवि के पूर्व शिक्षकों से चर्चा करते हुए।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कार्यक्रम में अपना व्याख्यान देते हुए।

विश्वविद्यालय के एलुमिनी अनमोल खजाने की तरह हैं- कुलपति, विश्वविद्यालय में पहली बार हुआ मेगा एलुमिनी का आयोजन

डॉ. गौर का शिक्षा प्रदान करने का सपना निरंतर जारी है: डॉ. वीरेंद्र कुमार

सागर आचरण

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर मेगा एलुमिनी का आयोजन किया गया. इस आयोजन के उदघाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री में डॉ. वीरेंद्र कुमार थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, नगर निगम की महापौर संगीता तिवारी, बंडा विधायक श्री तरवर सिंह लोधी, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन और समाज सेवी श्री-सुशील तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. के एस पित्रे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस तरह के मिलन का यह प्रयास अगले वर्ष और व्यापक स्तर पर किया जाएगा. इसके लिए उन्होंने एलुमिनी की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत को रेखांकित किया. एसोसिएशन के सचिव प्रो. जी एल पुणतांबेकर ने कहा कि मीट के माध्यम से संपर्क एवं संबंध बढ़ते है। विभिन्न पदों एवं क्षेत्र के लोग एक साथ बराबरी से एलुमिनी के रूप उपस्थित हैं।

डॉ. गौर का शिक्षा प्रदान करने का सपना निरंतर जारी है- डॉ. वीरेंद्र कुमार

मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि यह आयोजन एलुमिनी विद्यार्थियों एवं सदस्यों का संगम है। उन्होंने अपने गुरुजनों एवं विश्वविद्यालय से मिली सीख की यादें ताजा की और कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र विविध क्षेत्रों में स्थापित हैं। डॉ .गौर का शिक्षा प्रदान करने का जीवन का लक्ष्य निरंतरता के साथ जारी है। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर वृक्ष रोपित करके गए हैं, जो वट वृक्ष की भांति अपनी छाया हर तरफ फैला रहा है। हमें उनसे सीखना चाहिए कि कैसे हम समाज को कुछ देकर उनका ऋण चुकाने का प्रयास कर सकते हैं। अपनी स्मृतियों को ताजा करते हुए उन्होंने बताया कि इमरजेंसी के दौरान दीक्षांत समारोह हुआ था और उसके बाद लंबे समय तक दीक्षांत समारोह नहीं हुआ। उनके स्वयं के प्रयास से विवि के अगले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति स्वयं उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र की तरह, एलुमिनी के नाते उपस्थित विद्वजनों को वे सुनना चाहते है। इस आयोजन की शुरुआत के लिए सभी को बधाई दी एवं कहा कि यह शून्य से शुरुआत हुई है जो शिखर तक जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इस संकल्प के साथ जाएँ कि अगली एलुमिनी मीट और अधिक सफल हो। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने पदों एवं क्षेत्र में रहते हुए विश्वविद्यालय के लिए जो योगदान हो वो करने का संकल्प लें। अपनी क्षमता के अनुसार मैं डॉ. गौर को भारतरत्न दिलाने के लिए प्रयास करूंगा। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने सभी एलुमिनी का स्वागत करते हुए कहा कि इस विवि को 75 साल हो चुके है. विश्वविद्यालय के एलुमिनी की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। विश्वविद्यालय को अपने सभी एलुमिनी के लिए गर्व है। उन्होंने कहा कि डॉ .गौर के सपने के कारण ही हम सभी को आज एलुमिनी होने का भी सौभाग्य मिला है । गौर साहब के योगदान को नमन करते हुए अब हम सभी इसके उन्नयन के लिए प्रयास करें। सागर को गौर सिटी बनायें। पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के वचन 'मिनी स्विट्जरलैंड' के अनुरूप इस शहर को बनाने का लक्ष्य रखें। इस शहर में वह सब हो जो इसको मिनी स्विट्जरलैंड बनाए। उन्होंने कहा कि एल्युमिनी एक छाते की तरह रहते हैं जो हर मौसम में विवि को बचा कर रखते हैं। उन्होंने कहा कि किसी संस्था के एलुमनी एक नायाब हीरे की तरह होते हैं. हमारी कोशिश हो कि हम एक संपन्न एसोसिएशन बना सकें और अगले वर्ष साप्ताहिक आयोजन के लिए प्रयास करें. विशिष्ट अतिथि सुशील तिवारी ने कहा कि डॉ .गौर के प्रेरणादायी किस्से सुनते हुए हमने यहाँ पढ़ाई की है। अपने जीवन में अभिव्यक्ति, शिक्षा, मर्यादा, संस्कार और अनुशासन अपने कार्य में आज जो भी प्रदर्शन कर रहे हैं, जो कुछ भी सीखा है, वो विश्वविद्यालय की देन है। हम सभी विवि के छात्र भावनात्मक रूप से आज भी विवि से जुड़े हुए हैं। हमारे पास विवि से जुड़ी अनगिनत यादें है . इसकी उन्नति के लिए छात्र जीवन से हमेशा आगे रहे और आगे भी रहेंगे। देश की राजनीति में सागर विवि के छात्र अपना योगदान दे रहे हैं, जो गर्व की बात है। उन्होंने कुलपति को इस आयोजन के लिए ह्रदय से साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से गौर साहब का गौरव बढ़ने के साथ-साथ सभी एलुमिनी एवं सागर का गौरव भी बढ़ेगा। विशिष्ट अतिथि श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि इस गौरव और अतीत के पन्ने पलटने वाले कार्यक्रम पूर्व छात्रों के मिलने का पहला प्रयास है ।एक स्वागत योग्य पहल है। यह कार्यक्रम आगे जाकर हम सभी के सामूहिक प्रयासों से और सफल होगा। उन्होंने कहा कि 'आईने वहीं रहते हैं, चेहरे बदल जाते हैं. सभी को अपने पुराने साथियों से मिलने की ललक रहती है। विवि के सभी एलुमिनी अगर मिल जाएँ तो संख्या बहुत अधिक है जो इस प्रांगण में समा नहीं पायेगी। उन्होंने कहा कि मंच पर बोलने से ज्यादा मिल कर बात करने में ज्यादा अच्छा संवाद होगा। सभी आज के दिन अपने पुराने दिनों को याद करते हुए गुजारें एवं फिर से अपने युवावस्था के दिन को जीवंत करें। उन्होंने इस मीट के लिए कुलपति एवं समस्त टीम का आभार माना एवं इस आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए जब आवश्यकता हो तब वे उपस्थित रहेंगे।विशिष्ट अतिथि श्री तरवर सिंह लोधी ने कहा कि इस विश्वद्यालय से उन्होंने प्राइवेट बीए किया है। इस विवि के संस्थापक डॉ. गौर का बचपन उनके कार्यक्षेत्र में बीता है जो उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई पद नहीं है जिस पर विवि के एलुमिनी पदस्थ न हों। देश विदेश में यहां के एलुमिनी हैं। उन्होंने सभी एलुमनी से अनुरोध किया कि वे डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए अग्रसर हों। उपस्थित सभी अतिथियों का शाल, श्री फल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी एवं फार्मेसी विभाग की अतिथि शिक्षक ने किया. प्रो. ओ पी अग्रवाल ने आभार ज्ञापन देते हुए कहा कि अगली बार का सम्मेलन और बेहतर रहेगा ।.यह सपना एक दिन में नहीं पर एक दिन जरूर पूरा होगा.

गौर समाधि पर अर्पित की पुष्पांजलि

केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की.

विवि के नवीन सभागार का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता डा . वीरेंद्र कुमार, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ. इस अवसर पर एलुमिनी एसोशिएशन के अध्यक्ष प्रो. के एस पित्रे, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं एलुमनी एसोसिएशन के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे.

प्रो. जेएल जैन की पुस्तकों का विमोचन

सागर आचरण। रविवार 15 जनवरी को आयोजित विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र महासमागम के उद्घाटन सत्र में भूगोल विभाग के पूर्व प्रो. जवाहरलाल जैन द्वारा लिखित पुस्तक कार्टोग्राफी एवं जियोइन्फार्मेटिक्स के आधार (हिन्दी संस्करण) तथा Fundamentals of Cartography and Geoinformatics (अंग्रेजी संस्करण) का विमोचन केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविन्द राजपूत, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, बंडा विधायक तरवर लोधी और डॉ. सुशील तिवारी ने किया।

मंत्री सिंह ने पुराने छात्रों एवं शिक्षकों से भेंट की

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और नगरीय विकास मंत्री डॉ. भूपेन्द्र सिंह आयोजन में पहुंचकर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों से मुलाकात की और अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को ताजा किया. उन्होंने कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के साथ भी संवाद किया और कहा कि विश्वविद्यालय के विकास में अपना हर संभव योगदान एवं सहयोग देंगे.

महासमागम में कम रही उपस्थिति

विवि में आयोजित पूर्व छात्रों के महासमागम के प्रथम दिन पूर्व छात्रों की कम उपस्थिति चर्चा का विषय रही। तेज शीतलहर, मकर संक्रांति का पर्व और आयोजकों द्वारा पूर्व छात्रों को बुलाने के लिए किए गए प्रयासों में कमी के चलते आयोजन फीका रहा। परिवहन मंत्री गोविन्द राजपूत ने अपने संबोधन में इस बात का उल्लेख भी किया। पिछले आठ माह से आयोजन की तैयारियां की जा रही थीं। लेकिन अपेक्षा के अनुरूप पूर्व छात्रों की आयोजन में उपस्थिति नहीं हो सकी। राज्य शासन के एक मंत्री और कुछ विधायक भी इस आयोजन में नहीं पहुंचे। सांसद राजबहादुर की नाराजगी जगजाहिर है। इसलिए वे भी कार्यक्रम में नहीं पहुंचे।

'डॉ गौर का शिक्षा प्रदान करने का सपना सतत जारी है'

विश्वविद्यालय में पहली बार हुआ मेगा एलुमनी का आयोजन

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के केन्द्रीय विवि स्थापना दिवस के अवसर पर मेगा एलुमनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, महापौर संगीता तिवारी, बंडा विधायक तरवर सिंह लोधी, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एलुमनी एसोशियेशन के अध्यक्ष प्रो के एस पित्रे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस तरह के मिलन का यह प्रयास अगले वर्ष और व्यापक स्तर पर किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने एलुमनी की संख्या बढाए जाने की जरूरत को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि यह आयोजन एलुमिनी विद्यार्थियों एवं सदस्यों का संगम है। उन्होंने अपने गुरुजनों से एवं विश्वविद्यालय से मिली सीख की यादें ताजा की और कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र विविध क्षेत्रों में स्थापित हैं। डॉ गौर का शिक्षा प्रदान करने का जीवन का लक्ष्य निरंतरता के साथ जारी है। उन्होंने कहा कि डॉ गौर वृक्ष रोपित करके गए हैं, जो वट वृक्ष की भांति अपनी छाया हर तरफफैला रहा है। हमें उनसे

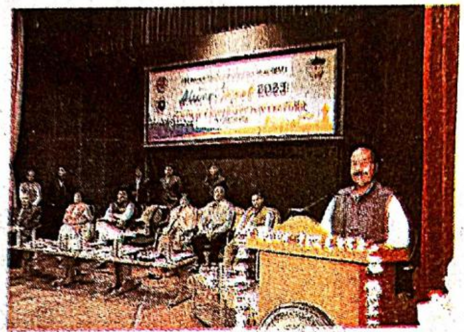

सीखना चाहिए कि कैसे हम समाज को कुछ देकर उसका ऋण चुकाने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने पदों एवं क्षेत्र में रहते हुए विश्वविद्यालय के लिए जो योगदान हो वो करने का संकल्प लें। अपनी क्षमता के अनुसार मैं डॉ गौर को भारतरत्न दिलाने के लिए प्रयास करूंगा।

अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इस विवि को 75 साल हो चुके हैं। विवि के एलुमनी की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। विवि को अपने सभी एलुमनी के लिए गर्व है। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के सपने के कारण ही हम सभी को आज एलुमिनी होने का भी सौभाग्य मिला है। गौर साहब के योगदान को नमन करते हुए अब हम सभी इसके उन्नयन के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि एल्युमिनी एक छाते की तरह रहते हैं जो हर मौसम में विवि को बचा कर रखते हैं। हमारी कोशिश हो कि हम एक संपन्न एसोसिएशन बना सकें और अगले वर्ष साप्ताहिक आयोजन के लिए प्रयास करें। विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि इस गौरव और अतीत के पन्ने पलटने वाले कार्यक्रम जो पूर्व छात्रों के मिलने का पहला प्रयास है एक स्वागत योग्य पहल है। यह कार्यक्रम आगे जाकर हम सभी के सामूहिक प्रयासों से और सफल होगा। विधायक तरवर सिंह लोधी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय से उन्होंने प्राइवेट बीए किया है। इस विवि के संस्थापक डॉ गौर का बचपन उनके कार्यक्षेत्र में बीता है जो उनके लिए सौभाग्य की बात है।

गौर समाधि पर अर्पित की पुष्पांजलि, नवीन सभागार का लोकार्पण

कैबिनेट मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, पत्रकारगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का भी विमोचन भी अतिथियों द्वारा सम्पन्न हुआ।

मंत्री डॉ भूपेन्द्र सिंह की पुराने छात्रों एवं शिक्षकों से भेंट

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और कैबिनेट मंत्री डॉ भूपेन्द्र सिंह ने आयोजन में पहुंचकर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों से मुलाकात की और अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को ताजा किया। उन्होंने कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के साथ भी संवाद किया और कहा कि विश्वविद्यालय के विकास में अपना हर संभव योगदान एवं सहयोग देंगे।

सांस्कृतिक संध्या में हुई गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति

सागर आचरण

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में पुरा छात्र सम्मेलन के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें संगीत विभाग के विद्यार्थी अपूर्वा भदौरिया शुभनशिता ठाकुर द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। संगतकार में हारमोनियम पर अतुल पथरोल तथा तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव रहे । द्वितीय प्रस्तुति सिद्धार्थ शंकर शुक्ला के सितार वादन की हुई जिसमें तबले पर केशव प्रजापति ने संगत दी। स्तुति खंपरिया ने गजल की प्रस्तुति दी। तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव हारमोनियम पर यशगोपाल श्रीवास्तव रहे। श्रीमती संध्या सरवटे द्वारा काव्य पाठ किया गया। संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कव्वाली प्रस्तुत की गई जिसमें यशगोपाल श्रीवास्तव ,पार्थो घोष, अतुल पथरोल, आलोक मिश्रा, आकाश, निखिल ,गोलू कुशवाहा, आदित्य प्रकाश, पंकज खरारे, आशुतोष श्रीवास्तव, मैकलीन, संगत कलाकरों में ओम भंट्ट, गगन राज, बुंदेलखंड के लोक वाद्यों का आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति हुई जिसमें गगन राज, पंकज खरारे, ओम भंट्, मेकलिन, शुभम पटेल, देवेंद्र रजक, रिया सेन, यशस्वी गौंड, अंशुल ने प्रस्तुति दी । विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो नवीन कांगों ने करोगे याद तो हर बात याद आएगी ग़ज़ल प्रस्तुत की। अंत में रोहित रजक के मार्गदर्शन में शुभम पटेल, रितिका सेन , अमन ठाकुर, संजू आठिया, अखलेश तिवारी, भूमि बाथरी, अपर्णा सोनी ने बधाई प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर के साथ डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया। सांस्कृतिक परिषद से डॉ राकेश सोनी के विशेष सहयोग के साथ माउथ ऑर्गन एक गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ अवधेश तोमर ने किया। समस्त संयोजन एलुमनाई एसोसिएशन के सचिव प्रो पुणतांबेकर के मार्गदर्शन में हुआ।सांस्कृतिक संध्या में विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकों की उपस्थिति के साथ सागर एवं पूरे देश से पधारे पुरा छात्र समूह ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया ।

पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियां को पुनः जीया। एल्युमिनी मीट के तृतीय सत्र में एल्युमिनी ने अपने छात्र जीवन के संस्मरणों को पुनः जीया। सभी उपस्थित एल्युमिनी ने अपने अपने छात्र जीवन से जुड़े कई रोचक किस्से सभी से परिचय सत्र के दौरान साझा किए। इस सत्र की अध्यक्षता आई ए एस अरुण भट्ट ने की एवं कार्यक्रम के दौरान एल्युमिनी प्रो आही, प्रो नवीन कांगो, प्रो जी एल पुणतांबेकर, सलीम अहमद खान, दीपक कुमार, प्रताप सिंह, प्रत्युष शुक्ला, संजय वर्मा, डॉ पंकज तिवारी, डॉ अलीम अहमद खान, राकेश सोनी, देवेंद्र सिंह, आलोक चौबे, भानु राणा, प्रदीप पांडेय, आदि ने अपने छात्र जीवन की यादों को सभा में उपस्थित सभी एल्युमिनी के साथ साझा किया। सभी ने अपने पढ़ाई, प्राध्यापक एवं गुरु जनों के साथ निरंतर होने वाले संपर्क को फिर से उनकी यादों के माध्यम से जीया। इस सत्र का संचालन अमर जैन द्वारा किया गया।

कहां और कब खुलना है यूजीसी तैयार कर रहा ड्राफ्ट

विदेशों की टॉप 500 यूनिवर्सिटीज के भारत में खुलेंगे कैंपस

एक्सक्लूसिव

आकाश तिवारी
patrika.com

सागर. भारत में 500 विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में 7 पन्नों का एक ड्राफ्ट तैयार किया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इस व्यवस्था को लागू किया जाना है। सरकार का तर्क है कि इससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी और विदशों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

यूजीसी सचिव प्रो. रजनीश जैन द्वारा जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि केंद्र सरकार ने विदेशी शिक्षण संस्थाओं के कैंपस भारत में खोलने की मंजूरी दी है।

इसको पूरी तरह से लागू करने से पहले पैनल से सुझाव व फीडबैक लिए जा रहे हैं। इस संबंध में केंद्रीय एलआइबी भी अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

अभी चलते हैं एक्सचेंज प्रोग्राम

केंद्र और राज्यों विश्वविद्यालयों में अभी एक्सचेंज प्रोग्राम चलते हैं। इसके तहत भारत और विदेशी विश्वविद्यालय एक-दूसरे के कैंपस में जाकर अध्ययन और शोध कार्य करते हैं। डॉ. हरि सिंह गौर विवि में भी हालही में रूस के विश्वविद्यालय से एमओयू साइन हुआ है। मतलब रूस के छात्र विवि आकर अपना कोर्सवर्क या फिर प्रोजेक्ट पूरा कर सकते हैं। ठीक इसी तरह विश्वविद्यालय के छात्र व शिक्षक रूस जाकर अनुबंध के अनुसार शैक्षणिक कार्य कर सकते हैं।

यह होगा फायदा

विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने शिक्षा संस्थानों में प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। इससे युवा इंटरनेशनल पैरामीटर पर खरे उतरेंगे और विदेशों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। विदेशों में पढ़ाई के लिए जाने का खर्च बचेगा। उच्चगुणवत्ता की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ेगा।

पिछली सरकारों भी विदेशी विश्वविद्यालय अधिनियम पर चर्चा हुई थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मंतव्य देशज प्रयासों से भारत को विश्व गुरु बनाना है। विदेशी विश्वविद्यालय के भरोसे गुणवत्ता बढ़ाना एक तरह से विरोधाभाषी है। आधिकारिक तौर पर अब यह मान लिया गया है कि देश की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार्य है। आत्मनिर्भर शिक्षा का सपना भी पूरा होते नहीं दिख रहा है।

डॉ. संजय शर्मा, शिक्षा में नीति विश्लेषक

स्थापना दिवस पर विशेष व्याख्यान

मातृभाषा में शिक्षा मौलिक सोच को बढ़ाता है : त्रिपाठी

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर भाषा, राजनीति और हमारी शिक्षा नीति विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।

प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि शोध में भाषा पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है। शब्द से भाषा ही नहीं बल्कि दुनिया प्रकाशित होती है, इसमें शोध होना चाहिए। उन्होंने पौराणिक कथाओं के उदाहरण के साथ बहुभाषा की परम्परा को बताया, जो इस देश की समृद्धि का सूचक है। औपनिवेशिक काल के समय हमारे देश में एक भाषा की सोच आई। यह एक तंत्री एवं आधिपत्य की सोच थी, जिससे विभिन्न भाषा की विचार परम्परा को क्षति पहुंची। यहीं से भाषा की राजनीति की शुरुआत हुई। अब हम हमारी शिक्षा नीति के द्वारा बहुभाषिता की फिर से शुरुआत कर रहे हैं। कुलपति नीलिमा गुप्ता ने कहा कि समय के साथ विश्विद्यालय की प्रगति भी सतत चल रही है। 2009 में आज के ही दिन यह केंद्रीय विश्वविद्यालय बनी। इस वर्ष सीयूसीईटी के माध्यम से प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने विवि की एल्यूमिनी मीट में हिस्सा लिया

सागर, देशबन्धु। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने डॉ.हरिसिंह गौर विवि द्वारा आयोजित मेगा एल्यूमिनी मीट में हिस्सा लिया। श्री सिंह ने अपने विश्वविद्यालयीन साथियों, अध्यापकों से भेंट की और पुरानी यादों को ताजा किया। सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। इस अवसर पर कुलपति नीलिमा गुप्ता ने मंत्री भूपेंद्र सिंह का शाल श्रीफल से सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

एलुमिनी मीट • सम्मेलन के पहले दिन के द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

सांस्कृतिक संध्या में गूंजे सितार व हारमोनियम के सुर

भास्कर संवाददाता | सागर

मेगा एलुमनी मीट छात्र सम्मेलन के प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें संगीत विभाग के विद्यार्थी अपूर्वा भदौरिया एवं शुभनशिता ठाकुर द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। संगतकार में हारमोनियम पर अतुल पथरोल तथा तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव रहे। द्वितीय प्रस्तुति सिद्धार्थ शंकर शुक्ला के सितार वादन की हुई। जिसमें तबले पर केशव प्रजापति ने संगत दी। तीसरी प्रस्तुति स्तुति खंपरिया द्वारा गजल की दी गई।

सागर | सांस्कृतिक संध्या में लोक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति देते कलाकार।

हारमोनियम पर यशगोपाल श्रीवास्तव रहे। अगले क्रम में संध्या सरवटे द्वारा काव्य पाठ किया गया। संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कव्वाली प्रस्तुत की गई। जिसमें आलोक मिश्रा, आकाश, निखिल ,गोलू कुशवाहा, आदित्य प्रकाश, पंकज खरारे, मैकलीन एवं संगत कलाकारों में ओम भट्ट एवं गगन राज द्वारा बुंदेलखंड के लोक वाद्यों की आर्केस्ट्रा के रूप में प्रस्तुति दी गई।

इसके बाद विश्वविद्यालय के डीन प्रो. नवीन कांगो द्वारा ग़ज़ल की प्रस्तुत दी गई। अंत में रोहित रजक के मार्गदर्शन में शुभम पटेल, रितिका सेन, अमन ठाकुर, संजू आठिया, अखिलेश तिवारी, भूमि बाथरी, अपर्णा सोनी ने बधाई की प्रस्तुत दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर, डॉ. राहुल स्वर्णकार ने किया। सांस्कृतिक परिषद से डॉ. राकेश सोनी के विशेष सहयोग के साथ माउथ ऑर्गन गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

अब हर साल 25 नवंबर को होगी एलुमिनी मीट, अगले दिन गौर जयंती में भी शामिल हो सकेंगे पुरा छात्र

दो दिवसीय आयोजन में उम्मीद के मुताबिक नहीं जुट सके पूर्व छात्र

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की दो दिवसीय एलुमिनी मीट का सोमवार को समापन हो गया। पहली बार हुए दो दिवसीय आयोजन में उम्मीद के मुताबिक छात्र नहीं जुटे। चर्चा के दौरान यह सुझाव भी आया कि विश्वविद्यालय की पहचान डॉ. गौर के नाम से है, लिहाजा इस आयोजन को उनकी जयंती या पुण्यतिथि के आसपास किया जाए। जिस पर सहमति भी बनी। बाद में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह एलुमिनी मीट हर साल 25 नवंबर को होगी। आप सभी विश्वविद्यालय के गौर जयंती के कार्यक्रम में भी शामिल रहेंगे। गौरतलब है कि अभी जो आयोजन 15-16 जनवरी को हुआ, उसकी शुरुआत सेंट्रल यूनिवर्सिटी-डे पर हुई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने कार्यक्रम की निरंतरता की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा डॉ. गौर ने इस विवि की स्थापना कर दान की एक अद्वितीय मिसाल कायम की है। इस विश्वविद्यालय ने देश और दुनिया को बहुत कुछ दिया है। यदि मैं इस विवि से न जुड़ता तो शायद मैं सांसद और मंत्री न बनता। पूर्व छात्र पीएस परिहार ने भी अपने संस्मरण सांझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा यहां आते ही मैंने यह सोचा कि इतने ख्याति प्राप्त और पुराने विश्वविद्यालय में शीघ्र ही एक बड़ी एलुमिनी मीट आयोजित होना चाहिए। इसका दायित्व मैंने मीट के सचिव प्रो. जीएल पुणतांबेकर को दिया। इस आयोजन की सफलता का श्रेय प्रो. पुणतांबेकर, विभिन्न विभागों के समन्वयक, प्रो केएस पित्रे, प्रो. ओपी अग्रवाल, प्रो. आरके त्रिवेदी एवं एलुमिनी मीट की कार्यकारिणी एवं सामान्य सदस्यों को जाता है। इस पहली एलुमिनी मीट में जो पूर्व छात्र शामिल हुए हैं वे विश्वविद्यालय के अनमोल रत्न हैं। आपका यहां उपस्थित होना गौर साहब से आपका गहरा लगाव बताता है। मुझे उम्मीद है आप लोग आने वाले समय में इसे वृहद रूप देंगे। समापन समारोह में अतिथियों का सम्मान किया गया। संचालन डॉ. शालिनी ने किया। आभार प्रो. संजय जैन ने माना।

छात्र संवाद... समाचार स्रोत की गोपनीयता कभी भी सार्वजनिक न करें : डॉ. द्विवेदी

मेगा एलुमिनी मीट के दूसरे दिन पूर्व छात्रों का विभिन्न विभागों में दौरा हुआ। विवि के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के पूर्व छात्रों ने विभाग में वर्तमान अध्ययनरत छात्रों से संवाद किया। राणा ने कहा एक पत्रकार को सदैव अपने आप को हर परिस्थिति के अनुकूल सामंजस्य बैठाकर पेशे की गरिमा के अनुरूप काम करते रहना चाहिए। डॉ. संजीव सराफ ने कहा सफल पत्रकार के लिए गहन और विस्तृत अध्ययन नितांत आवश्यक है। व्यापक दृष्टिकोण के बिना सफल पत्रकार नहीं बन सकते। आशीष ज्योतिषी ने मूल्य आधारित पत्रकारिता के लिए समर्पण एवं सेवाभाव की आवश्यकता बताई। स्वतंत्रता पूर्व पत्रकार बिना किसी भय के ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बेखौफ अपनी पत्रकारिता किया करते थे। आज भी बेखौफ और निष्पक्षता की उतनी ही जरूरत है, जितनी पहले थी। पंकज सोनी ने कहा पत्रकारिता की ताकत को कमजोर लोगों को उनके हक दिलवाने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। डॉ. आशीष द्विवेदी ने कहा पत्रकारिता में स्रोतों की उपलब्धता बहुत मायने रखती है, आप के समाचार स्रोत कितने व्यापक हैं यह बात मायने रखती है। स्रोत की गोपनीयता कभी भी सार्वजनिक न करें। यह प्रतिबद्धता एक पत्रकार को हमेशा निभाना चाहिए। पूर्व छात्र मनीष दुबे, पुष्पेंद्र गौड़, प्रशांत प्रजापति ने भी अपने अनुभव सांझा किए। डॉ. अलीम अहमद खान एवं डॉ. विवेक जायसवाल के संयोजन से संवाद हुआ।

डा.गौर विश्व विद्यालय की गरिमा वहां के अध्यापन और शोध कार्य पर निर्भर करती है : यादव

- विश्वविद्यालय में दो दिवसीय मेगा एलुमनी मीट का समापन
- पूर्व सांसद ने विवि की गरिमा और यादों को ताजा किया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर ने इस विवि की स्थापना कर दान की एक अद्वितीय मिशाल कायम की है। इस विवि ने देश और दुनिया को बहुत कुछ दिया है। विवि की गरिमा वहां के अध्यापन और शोध कार्य पर निर्भर करती है।

यह बात डा. हरीसिंह गौर विवि की दो दिवसीय एलुमनी मीट के समापन अवसेर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने कही। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के निरंतरता की आवश्यकता है। उन्होंने विवि की गरिमा एवं बौद्धिक चेतना की यादों को साझा किया। यदि मैं इस विवि से ना जुड़ता तो शायद मैं सांसद और मंत्री न होता।

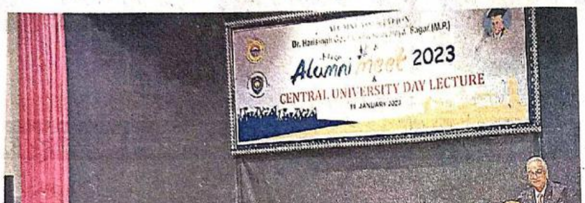

एलुमनी मीट कार्यक्रम के समापन समारोह में पूर्व छात्रों ने संबोधन के दौरान वर्तमान विद्यार्थियों को अपने अनुभव बताए। © नवदुनिया

इस अवसर पर पूर्व छात्र पीएस परिहार ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस विवि का छात्र रहा हूं। मुझे जो कुछ भी मिला है यहां के गुरुओं के आर्शीवाद से मिला है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में इस तरह के आयोजन निरंतर होते रहेंगे।

हर साल 25 नवंबर को होगी एलुमनी मीट : कार्यक्रम की अध्यक्षा प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यहां आते ही मैंने यह सोचा कि इतने ख्यातिप्राप्त और पुराने विवि में शीघ्र ही एक बड़ी एलुमनी मीट आयोजित होना चाहिए। आयोजन की सफलता का श्रेय प्रो. पुणताम्बेकर, प्रो. केएस पित्रे, प्रो. ओपी अग्रवाल, प्रो. आरके तिवारी व पूर्व छात्रों को जाता है। इस पहली एलुमिनी मीट में जो पूर्व छात्र शामिल हुए हैं वे विवि के अनमोल रत्न है। यह एलुमनी मीट प्रतिवर्ष 25 नवंबर को आयोजित हुआ करेगी।

इस दौरान आप सभी विवि के गौर जयंती के कार्यक्रम में भी शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि आपका यहां उपस्थित होना यह बताता है कि गौर साहब से आपका लगाव कितना गहरा है।

उल्लेखनीय है कि पहली बार हुई एलुमनी मीट में उतने पूर्व छात्र नहीं आ सके जितनी उम्मीद थी। समापन समोरह के दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन डा. शालिनी ने किया एवं आभार प्रो. संजय जैन ने व्यक्त किया।

सफलता पाने विद्यार्थियों को बताए अपने अनुभव

विवि के संचार एवं पत्रकरिता विभाग के पूर्व छात्र एडवोकेट वीनू राणा ने छात्रों के साथ संवाद में कहा कि पत्रकारिता में सदैव उतार चढ़ाव आते रहते हैं, परिस्थितियां सदैव बदलती रहती हैं। अच्छा पत्रकार बनने के लिए अच्छा अध्ययन एवं विभाग में नियमित अध्ययन आवश्यक है। डा. संजीव सराफ ने छात्रों के समक्ष अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता में एक सफल पत्रकार के लिए गहन और विस्तृत अध्ययन नितांत आवश्यक है। छात्र आशीष ज्योतिषी, पूर्व छात्र पंकज सोनी, आशीष द्विवेदी, मनीष दुबे, आशीष ज्योतिषी, पुष्पेंद्र गौड़,मनीष दुबे एवं प्रशांत प्रजापति ने विभाग में पहुंचकर वर्तमान छात्रों से संवाद किया। डा. अलीम अहमद खान एवं डा. विवेक जायसवाल ने मूर्त रूप दिया।

पूर्व छात्रों ने वर्तमान छात्रों से किया संवाद : विवि की मेगा एलुमनी मीट के दूसरे दिन पूर्व छात्र अपने-अपने विभागों में पहुंचे और सालों बाद विभाग के अंदर कुर्सियों में बैठकर एक बार फिर अपने छात्र जीवन को याद किया। कई छात्र कुर्सियों में बैठकर गप्पे लड़ाते हुए मिले तो कई अपने छात्र जीवन को याद करते हुए हंसी-मजाक करते हुए अपने दोस्त के बाल कम होने, मोटे होने से लेकर परिवार के सदस्यों और घर के माहौल को लेकर चर्चा करते रहे।

सालों बाद अपने दोस्तों को देखकर कई लोग गले मिलकर घंटों बातें करते रहे और नए छात्रों को अपने अनुभव बांटे।

सागर आचरण। विवि में आयोजित पूर्व छात्रों के महासमागम के दूसरे दिन पूर्व छात्रों ने अपने-अपने विभागों में पहुंचकर वहां की गतिविधियों की जानकारी ली। श्रीमती निधि जैन और पूर्व विधायक सुनील जैन तथा डॉ. वर्षा शर्मा ने विभागों में वर्तमान छात्रों से चर्चा भी की। स्वर्ण जयंती सभागार में भी पूर्व छात्रों ने अपने शैक्षणिक कार्यकाल की चर्चा की।

समापन | विश्वविद्यालय में दो दिवसीय मेगा एलुमनी मीट संपन्न

विवि से ना जुड़ता तो शायद मैं सांसद और मंत्री न बन पाताः यादव

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि सागर की दो दिवसीय अलुमिनी मीट संपन्न हुई। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सागर पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने अपने उद्बोधन में इस कार्यक्रम के निरंतरता की आवश्यकता बतलाई। उन्होंने विवि की गरिमा एवं बौद्धिक चेतना की यादों को साझा किया। पूर्व सांसद ने कहा कि डॉ गौर ने इस विवि की स्थापना कर दान की एक अद्वितीय मिशाल कायम की है। इस विवि ने देश और दुनिया को बहुत कुछ दिया है. यदि में इस विवि से ना जुड़ता तो शायद मैं सांसद और मंत्री न होता। अपने उद्बोधन में श्री यादव ने कहा कि विवि की गरिमा वहां के अध्यापन और शोध कार्य पर निर्भर करती है. इस अवसर पर पूर्व छात्र पी एस परिहार ने अपने संस्मरण साझा किये. उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ. मुझे जो कुछ भी मिला है यहाँ के गुरुओं के आशीर्वाद से मिला है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में इस तरह के आयोजन निरंतर होते रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षा प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यहाँ आते ही मैंने यह सोचा कि इतने ख्यातिप्राप्त और पुराने विवि में शीघ्र ही एक बड़ी अलुमिनी मीट आयोजित होना चाहिए। इसका दायित्व मैंने इस मीट के सचिव प्रो जी एल पुणताम्बेकर को दिया। इस आयोजन की सफलता का श्रेय प्रो पुणताम्बेकर, विवि के विभिन्न विभागों के समन्वयक, प्रो के. एस पित्रे, प्रो ओ. पी अग्रवाल, प्रो. आर. के तिवारी एवं एलुमिनी मीट की कार्यकारिणी एवं सामान्य सदस्यों को जाता है. इस दो दिवसीय मेगा अलुमिनी मीट की सफलता का श्रेय विशेष रूप से आप सभी दूर दराज से इस मीट में सहभागी बने पूर्व छात्रों को जाता है. इस पहली एलुमिनी मीट में जो पूर्व छात्र शामिल हुए हैं वे विश्वविद्यालय के अनमोल रत्न है. आपका यहाँ उपस्थित होना गौर साहब से आपका लगाव कितना गहरा है यह बताता है. मुझे उम्मीद है आप लोग आने वाले समय में इसे वृहद् रूप देंगे। यह एलुमिनी मीट प्रतिवर्ष 25 नवंबर को आयोजित हुआ करेगी। इस दौरान आप सभी विवि के गौर जयंती के कार्यक्रम में भी शामिल रहेंगे। समापन समोरह के दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम का संचालन डॉ शालिनी ने किया एवं आभार प्रो. संजय जैन ने व्यक्त किया।

आयोजन के दूसरे दिन अधिकांश पूर्व छात्र अपने अपने विभागों में पहुंचे तथा वहां की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व छात्रों ने विभाग में अध्ययनरत वर्तमान छात्रों से चर्चा की तथा अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। दूसरे दिन भी आयोजन में पूर्व छात्रों की उपस्थिति बेहद कम रही। कार्यक्रम भी बेहद विलम्ब से शुरू हुआ।

अब हर साल 25 नवम्बर को होगी एलुमिनी मीट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर विवि के स्वर्ण जयंती सभागार मे दो दिवसीय एलुमिनी मीट का सोमवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की गरिमा व बौद्धिक चेतना की यादों को

अतिथियों का सम्मान करती कुलपति।

साझा किया। उन्होंने कहा कि यदि मैं इस विवि से ना जुड़ता तो शायद मैं सांसद और मंत्री न होता। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यहां आते ही मैंने यह सोचा कि इतने ख्यातिप्राप्त और पुराने विश्वविद्यालय में शीघ्र ही एक बड़ी एलुमिनी मीट आयोजित होना चाहिए। इसका दायित्व मैंने इस मीट के सचिव प्रो. जीएल पुणताम्बेकर को दिया। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद हैं आप लोग आने वाले समय में इसे वृहद् रूप देंगे। यह एलुमिनी मीट प्रतिवर्ष 25 नवंबर को आयोजित हुआ करेगी। इस दौरान आप सभी विश्वविद्यालय के गौर जयंती के कार्यक्रम में भी शामिल रहेंगे। समापन समोरह के दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी ने किया और आभार प्रो. संजय जैन ने माना।

विद्यार्थियों के साथ विवि के छात्र ने की प्रधानमंत्री से भेंट

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर संसद के सेन्ट्रल हाल में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में बीए, एलएलबी अष्टम सेमेस्टर के विद्यार्थी सत्यम नंदन ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम के दौरान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

प्रधानमंत्री से मुलाकात करते हुए विवि के छात्र सत्यम नंदन। ● नवदुनिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के सेंट्रल हाल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान समारोह में भाग लेने के लिए चुने गए युवाओं के साथ अपने नेता को जानो कार्यक्रम के तहत बातचीत भी की।

उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और हम उनसे क्या सीख सकते हैं इस पर भी बात की। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उन्हें अपने जीवन में किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा और उन्होंने इन चुनौतियों से कैसे पार पाया यह जानने के लिए उन्हें ऐतिहासिक हस्तियों की जीवनी पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए।

गौरतलब है कि देश के 80 युवाओं को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान में संसद में पुष्पांजलि समारोह में भाग लेने के लिए देश भर से चुना गया था जिनका चयन नेताजी के जीवन और योगदान पर प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया गया था।

एक नजर में

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत छात्र सहभागिता करें –प्रो. त्रिपाठी

सागर। डा. हरीसिंह गौर विवि के संस्कृति विभाग में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों का परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभाग के शिक्षकों ने प्रेरक विचारों से नवागंतुक छात्रों का उत्साहवर्धन किया। अध्यक्षीय भाषण में विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने सदैव विवि का मान बढ़ाया है। उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ चरित्र निर्माण की आवश्यकता का उल्लेख किया। छात्रों से ही शिक्षण संस्थाओं की पहचान बनती है। आप सब इस विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाएगे। नए छात्रों ने श्लोक पाठ किया। इस अवसर पर सभी नए छात्रों को पूर्व के एक डीलिट के वरिष्ठ शोध छात्र द्वारा पुस्तकें देकर स्वागत किया गया। शिक्षकों ने विवि के प्रति आदर और जुड़ाव बनाए रखने की बात भी कही। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि विभाग की स्थापना काल से लेकर पहली बार कई राज्यों के बडी संख्या में विद्यार्थियों ने संस्कृत विषय में प्रवेश लिया है। कार्यक्रम में विभागीय शिक्षक डा. नौनिहाल गौतम, डा. संजय कुमार, रामहेत गौतम, किरण आर्या, ऋषभ भारद्वाज, अवधेश यादव उपस्थित थे। (नप्र)

संघर्ष से निर्माण की गाथा है बालिका जीवन : डा. शर्मा

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर इस दिवस के महत्वत्ता को रेखांकित करते हुए विवि के छात्र छात्राओं द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने अनुभवों के आधार पर बालिकाओं के भेदभाव और उनके संघर्ष पर चर्चा की।

वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों को बेहतर बनाने और बालिकाओं के अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता लाने के लिए सभी संकल्पित हुए। एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. संजय शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आंकड़ों के आधार पर वर्तमान में महिलाओं की सहभागिता एवं प्रतिनिधित्व पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के लिए सभी को समान रूप से कार्य करना होगा। उनको सुरक्षित महसूस करने के लिए पुरुषों को स्वयं संकल्पित होना होगा, जिससे महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आए। स्नातक छात्राओं श्रद्धा विश्वकर्मा, कंचन सैयाम, अंशु झारिया, मंजुला गौड़ एवं शोध छात्रा अनुष्का तिवारी एवं सलोनी शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी

सर गौर की शिक्षाएं एवं विचार प्रत्येक काल और समय में प्रासंगिक रहे हैं: विधायक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित अतिथि।

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के विधि शिक्षण विभाग द्वारा शुक्रवार को भारत के विधिक, राजनीतिक एवं सामाजिक विकास में डॉ. हरि सिंह गौर का योगदान और 21वीं सदी में इसकी प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। पुस्तकालय सभागार में संगोष्ठी के मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि डॉ. हरि सिंह गौर सागर का मान एवं मन हैं, जिन्होंने न केवल देश विदेश में अपने ज्ञान और प्रतिभा का प्रकाश फैलाता है, बल्कि सागर में विद्या एवं शिक्षा की जोत प्रज्ज्वलित की है। उनकी शिक्षाएं एवं विचार प्रत्येक काल और समय में प्रासंगिक रहे हैं। विधि विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पृथ्वी पाल सिंह ने सर गौर के विधि के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक विधिवेत्ता और अधिवक्ता के रूप में उनका योगदान अमूल्य है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों को गौर साहब के आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए कहा। इस एक दिवसीय संगोष्ठी के आयोजन की संयोजिका डॉ. रुचि रानी सिंह व सहसंयोजक कृष्ण कुमार रहे। संचालन सोनाली रजक व अभय प्रसाद ने किया।

विवि में शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण जागरुकता शिविर कल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर सेवानिवृत्त एवं 50 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरुकता शिविर लगेगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में मिलेट्स (मोटे अनाज) का भोजन में महत्व विषय पर परिचर्चा होगी। शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी के साथ आंख व कान की जांच की जाएगी। ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद 10.15 बजे से शिविर नव मंच भवन यानी ओल्ड डे-होम में शाम 4 बजे तक चलेगा। इसमें बीएमसी के डॉ. दिनेश जैन ईएनटी, डॉ. रजनीश सिंह नेत्र विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। डोफा प्रो. पीके कठल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने 50 वर्ष से अधिक आयु के सभी शिक्षकों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों से इसमें शामिल होने की अपील की है। डॉ. जैन के अनुसार मोटे अनाज से होने वाले फायदे के प्रति जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार के पोस्टर और भारत के राजपत्र का प्रदर्शन फ्लेक्स के रूप में किया जाएगा।

संगीत विभाग में हुई राष्ट्रीय कार्यशाला 'बसंतोत्सव'

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के सुअवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बंसतोत्सव का प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से हुआ समस्त उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गई। तबले पर आकाश जैन एवं हारमोनियम पर अतुल पथरोल के द्वारा संगत की गई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में संगीत विभागाध्यक्ष, डा. ललित मोहन का सम्मान कार्यशाला संयोजक डा. राहुल स्वर्णकार एवं डा. अवधेश प्रताप सिंह तोमर के द्वारा किया गया। विभाग की छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने राग मालकौंस एवं राग भोपाली में ओम नमः शिवाय भजन की प्रस्तुति दी तबले पर संगत आशुतोष श्रीवास्तव ने की। अगले क्रम में आशुतोष श्रीवास्तव एवं तेजस पटेल ने युगल तबला वादन की प्रस्तुति दी। उन्होंने तीन ताल में पेशकार, कायदा, रेला सहित टुकडा फरमायसी आदि बंदियों की प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर संगत यस गोपाल श्रीवास्तव ने की।

आयोजन

वरिष्ठ शिक्षकों के लिए हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जीवनशैली में मोटे अनाजों का उपयोग वरदान

सागर, आचरण संवाददाता।

गत दिवस विश्वविद्यालय के अभिनव सभागार में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय की ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश जैन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रजनीश सिंह द्वारा आंखों की परीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन द्वारा हृदय रोग के लिए ईसीजी का परीक्षण किया गया एवं मरीजों के लिए डायबिटीज संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी गई। डॉ किरण माहेश्वरी एवं डॉक्टर भूपेंद्र पटेल द्वारा ब्लड प्रेशर और रूटीन चेकअप किया गया। अंतर्राष्ट्रीय millets वर्ष 2023 के अंतर्गत इस स्वास्थ्य शिविर में भारत के राजपत्र का मिलेट्स की उपयोगिता से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन किया गया और मिलेट्स महत्वपूर्ण गुणों से आधारित पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई. स्वास्थ्य शिविर में माननीय कुलपति महोदय ने स्वयं नेत्र परीक्षण ,ब्लड शुगर की जांच एवं ब्लड प्रेशर की जांच कराई उपस्थित शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों ने जो जांच कराई उनमें अधिकतर को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप ,सी एस ओ एम, फैरिंजाइटिस, ल्यूकोपलाकिया, प्रेस्बीकसिस, कैटरेक्ट, विजन संबंधी समस्याएं पाई गई. शिविर में लगभग 50 लोगों ने ईसीजी की जांच कराई लगभग 90 लोगों ने ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच कराई ,70 लोगों ने अपने नेत्र और नाक कान गला संबंधी रोगों का चेकअप कराया शिविर में कंप्यूटराइज्ड रिफ्रैक्टोमीटर, Ophthalmoscopy द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया।

शिविर के आयोजन में शिक्षकों अधिकारी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया. शिविर के संचालन में प्रोफेसर पीके कटल DOFA और विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के अरुण सिरोठिया ,भगत सिंह ममता पटेल प्रमोद पटेल अंकिता आरती रोहित सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के अभिनव सभागार में 26 जनवरी को मिलेट्स और उसकी उपयोगिता के बारे में महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस आयोजन के अवसर पर प्रोफेसर यूके पाटिल द्वारा मिलेट्स की उपयोगिता और प्रत्येक मिलेट्स यानी मोटे अनाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से दी। उन्होंने जो ज्वार बाजरा कोदो कुटकी मकई रागी सभी के बारे में महत्वपूर्ण व्याख्यान और जानकारियां दीं। इसी सत्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक कुमार जैन ने मिलेट्स के बारे में रोचक तथ्यों के साथ डायबिटीज में उपयोगिता के बारे में बताया । उन्हें उन्होंने विस्तार पूर्वक इस तथ्य को बताया कि सारे अनाजों की तुलना में मिलेट्स यानी मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, पकाने उबालने सेकने पर भी मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स नहीं बढ़ता इसलिए यह मधुमेह के साथ-साथ जीवन शैली से जुड़े रोगों में बहुत ही उपयोगी है क्योंकि यह ग्लूटेन फ्री होते हैं और इनमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं साथ ही यह आयरन और कैल्शियम के बहुत अच्छे स्रोत भी हैं। इस अवसर पर कुलपति ने भी रोचक व्याख्यान दिया और मिलेट की उपयोगिता और उसे सामान्य जीवन में लेने के तरीके के बारे में बताया।

विवि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है : कुलपति

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गौर प्रांगण में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद उन्होंने एनसीसी कैडेट्स की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उच्च स्तरीय मापदण्डों के सफल क्रियान्वयन के साथ हमारा विश्वविद्यालय नए समय, नई जरूरतों और ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नई क्षमताओं के साथ उन्नयन की राह पर बढ़ चला है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे यहां से शिक्षित-दीक्षित विद्यार्थी खुदमुख्तारी की नई कहानी लिखेंगे। उन्होंने वर्ष भर की अकादमिक, सह शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों को भी साझा किया। संगीत विभाग एवं सांस्कृतिक परिषद के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति नवीन सभागार अभिमंच में दी। गौर भवन में भी कुलपति ने ध्वजारोहण किया।

विवि में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विवि में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में बीएमसी के डॉक्टर दिनेश जैन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रजनीस सिंह द्वारा आंखों की परीक्षण किया गया. विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन द्वारा हृदय रोग के लिए ईसीजी का परीक्षण किया गया एवं मरीजों के लिए डायबिटीज संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी गई .

विश्वविद्यालय • 50 वर्ष से अधिक के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ

पकाने-उबालने पर मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स नहीं बढ़ता, ये मधुमेह सहित कई रोगों में उपयोगी है : डॉ. जैन

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा अभिनव सभागार में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही मिलेट्स और उसकी उपयोगिता के विषय को लेकर व्याख्यान किया। प्रो. यूके पाटिल ने मिलेट्स की उपयोगिता और प्रत्येक मिलेट्स यानी मोटे अनाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने जौ, ज्वांर, बाजरा, कोदो, कुटकी, मकई, रागी के फायदे गिनाए।

विवि के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अभिषेक कुमार जैन ने मिलेट्स के बारे में रोचक तथ्यों के साथ डायबिटीज में उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सारे अनाजों की तुलना में मिलेट्स यानी मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। पकाने, उबालने और सेकने पर भी मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स नहीं बढ़ता। इसलिए यह मधुमेह के साथ-साथ जीवन शैली से जुड़े रोगों में बहुत ही उपयोगी है। यह ग्लूटेन फ्री होते हैं और इनमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। साथ ही यह आयरन और कैल्शियम के बहुत अच्छे स्रोत भी हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मिलेट की उपयोगिता और उसे सामान्य जीवन में लेने के तरीके के बारे में बताया।

शिक्षक, अधिकारियों, कर्मचारियों में से अधिकतर को डायबिटीज, बीपी और विजन संबंधी समस्याएं निकलीं

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में बीएमसी के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दिनेश जैन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनीश सिंह द्वारा परीक्षण किया गया। विवि के डॉ. अभिषेक जैन द्वारा हृदय रोग के लिए ईसीजी का परीक्षण किया गया। डॉ. किरण माहेश्वरी एवं डॉ. भूपेंद्र पटेल द्वारा ब्लड प्रेशर और रुटीन चेकअप किया गया। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के तहत शिविर में भारत के राजपत्र का मिलेट्स की उपयोगिता से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन किया गया और मिलेट्स के महत्वपूर्ण गुणों से आधारित पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई। कुलपति ने भी नेत्र परीक्षण, ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच कराई। शिक्षक, अधिकारियों, कर्मचारियों ने जो जांच कराई उनमें अधिकतर को डायबिटीज,उच्च रक्तचाप, सीएसओएम, फैरिंजाइटिस, ल्यूकोपलाकिया, प्रेस्बीकसिस, कैटरेक्ट, विजन संबंधी समस्याएं पाई गईं। शिविर में 50 लोगों ने ईसीजी की जांच कराई। 90 ने ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर, 70 ने नेत्र, नाक, कान, गला संबंधी रोगों का चेकअप कराया। शिविर के संचालन में डोफा प्रो. पीके कठल, स्वास्थ्य केंद्र के अरुण सिरोठिया, भगत सिंह, ममता पटेल, प्रमोद पटेल, अंकिता, आरती रोहित का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय वसंतोत्सव कार्यशाला समाप्त, अब 18 से 24 फरवरी तक संगीत चिकित्सा होगी

अंतिम दिन राग झिंझोटी की धमार होली खेलत नंद लाल पर प्रस्तुति दी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में वसंत पंचमी के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वसंतोत्सव कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। अब 18 फरवरी से 24 फरवरी तक संगीत चिकित्सा होगी। इससे तनाव प्रबंध बताया जाएगा।

कार्यशाला के अंतिम दिन कार्यक्रम के प्रथम चरण में संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. ललित मोहन का सम्मान कार्यशाला संयोजक डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं डॉ.अवधेश प्रताप सिंह तोमर के द्वारा किया गया। विभाग की छात्रा अपूर्वा भदौरिया द्वारा राग मालकौंस एवं राग भोपाली में ओम नमः शिवाय भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। तबले पर संगत आशुतोष श्रीवास्तव ने की। अगले क्रम में तेजस पटेल द्वारा युगल तबला वादन की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने तीन ताल में पेशकार, कायदा, रेला सहित टुकड़ा फरमाइशी आदि बंदिशों की प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर संगत यशगोपाल श्रीवास्तव ने की। प्रस्तुतियों के क्रम में अंतिम प्रस्तुति पंकज खरारे की रही। उन्होंने बांसुरी पर राग यमन की मनमोहक प्रस्तुति दी। तबले पर संगत गगनराज ने की। कार्यशाला के द्वितीय चरण में मुख्य अतिथि कथक गुरु रागिनी श्रीवास्तव रही। शहर की कथक कलाकार आरोही श्रीवास्तव के द्वारा पं. बिरजू महाराज कृत गुरु वंदना एवं भगवती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके बाद यशगोपाल श्रीवास्तव के निर्देशन में आदर्श संगीत महाविद्यालय एवं संगीत विभाग सागर विश्वविद्यालय के बाल एवं युवा कलाकारों के द्वारा राग झिंझोटी की धमार होली खेलत नंद लाल एवं राग भूपाली में निबद्ध बंदिश जब से तुम संग लागली की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसमें तीन वर्षीय बालक अथर्व से लेकर उसकी मां रक्षा, श्रेया, जिज्ञांश, सिद्धि, इंद्रा, शिवांश, वंशिका, साक्षी, पूरब, अंशुल, अनन्या, निखिल, अतुल,अक्षत, शुभी ,कुलदीप द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। निखिल सोनी द्वारा राग तोड़ी में विलंबित एवं द्रुत ख्याल मुरलिया बाजे रें की प्रस्तुति दी गई। गगन राज द्वारा तीनताल में अपना एकल वादन प्रस्तुत किया गया। अप्रचलित बंदिशें गेंद-उछाल गत, रेला गत आदि बंदिशों की प्रस्तुतियां दी गई।

'वर्तमान जीवनशैली में मोटे अनाजों का उपयोग वरदान'

सागर @ पत्रिका. विश्वविद्यालय के अभिनव सभागार में मिलेट्स और उसकी उपयोगिता के बारे में व्याख्यान हुआ। इस आयोजन के अवसर पर प्रोफेसर यूके पाटिल द्वारा मिलेट्स की उपयोगिता और प्रत्येक मिलेट्स यानी मोटे अनाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से दी। उन्होंने जो ज्वार, बाजरा कोदो, कुटकी, मकई रागी सभी के बारे में जानकारियां दी। इसी सत्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने मिलेट्स के बारे में रोचक तथ्यों के साथ डायबिटीज में उपयोगिता के बारे में बताया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भी रोचक व्याख्यान दिया और मिलेट की उपयोगिता और उसे सामान्य जीवन में लेने के तरीके के बारे में बताया।

विवि में शिक्षकों के लिए लगा स्वास्थ्य शिविर

सागर @ पत्रिका. विश्वविद्यालय के अभिनव सभागार में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बीएमसी के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दिनेश जैन व नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनीश सिंह द्वारा आंखों की परीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन द्वारा हृदय रोग के लिए ईसीजी का परीक्षण किया गया। मरीजों के लिए डायबिटीज संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी गई। डॉ. किरण माहेश्वरी व डॉ. भूपेंद्र पटेल द्वारा ब्लड प्रेशर और रुटीन चेकअप किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने नेत्र परीक्षण और ब्लड शुगर की जांच कराई। शिविर में लगभग 50 लोगों ने ईसीजी की जांच कराई, 90 लोगों ने ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच कराई । 70 लोगों ने अपने नेत्र और नाक कान गला संबंधी रोगों का चेकअप कराया।

आयोजन | एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया

जीवनशैली में बदलाव विटामिंस की कमी का बड़ा कारण: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अभिमंच सभागार में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के संयोजक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन ने बताया कि इस शिविर में बोन मिनिरल डेंसिटी का परीक्षण ईसीजी, कंप्यूटराइज रिफ्रैक्टोमीटर द्वारा नेत्र परीक्षण, ब्लड शुगर, रक्तचाप परीक्षण एवं नाक, कान एवं गला आदि के रोगों के लिए परामर्श दिया गया। शिविर में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर पीयूष अर्जरिया डॉक्टर शिवम तेवर एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रजनी सिंह एवं विश्वविद्यालय के डॉ अभिषेक कुमार जैन, डॉ किरण माहेश्वरी, डॉ भूपेंद्र पटेल द्वारा मरीजों का परीक्षण किया गया। शिविर में लगभग 325 लोगों ने b.m.d. की जांच कराई जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगों की जांच असामान्य पाई गई।

150 लोगों की ईसीजी हुई, 259 लोगों का ब्लड शुगर टेस्ट हुआ। 225 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया और लगभग 100 लोगों ने ई एन टी विशेषज्ञों से परामर्श लिया। शिविर के आरंभ में डॉक्टर अभिषेक जैन ने विटामिन डी की उपयोगिता पर व्याख्यान में शायरी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया और इसके महत्व को बताया।

उन्होंने बताया कि विटामिन डी किस तरह से हमारे शरीर में सूर्य की किरणों द्वारा प्राप्त होता है विटामिन डी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है हड्डियों के लिए आवश्यक है और हृदय रोग और डायबिटीज ऐसे रोगों में भी बचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी संदर्भ में उन्होंने बोन मिनिरल डेंसिटी टेस्ट की उपयोगिता के बारे में बताया। कुलपति महोदय द्वारा भी बताया गया कि विटामिन डी की कमी हमारे शरीर में जीवन शैली के बदलाव के कारण हो रही है शिविर में उपस्थित सभी चिकित्सकों का डॉक्टर राकेश सोनी जी का श्रीमती निधि जैन का कुलपति जी द्वारा सम्मान किया गया। मंच संचालन डॉ आशुतोष मिश्रा ने किया।

शिविर में छात्रों ने भी अपने नेत्र का परीक्षण कराया शिविर के संयोजन में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की ओर से अरुण सिरोठिया, अर्जुन भगत सिंह, जयप्रकाश, ममता पटेल, दुर्गेश चौबे, अंकिता, प्रमोद, विनोद आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शिविर में प्रोफेसर अशोक अहिरवार, प्रोफेसर अलीम खान, प्रोफेसर डीके नेमा, शिक्षकगण में श्रीमती वंदना राजोरिया, प्रीति सहित अन्य कर्मचारी शिक्षक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वैभव ने जीती राष्ट्रीय परिसंवाद प्रतियोगिता

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी वैभव धुरिया ने महाराष्ट्र के वर्धा में आयोजित 47वें कमलनयन बजाज स्मृति राष्ट्रीय परिसंवाद 2023 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। वैभव ने राष्ट्रीय स्तर पर 100 से अधिक विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के बीच तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इस तरह की गतिविधियों में भाग लें।

भास्कर खास • विवि में 325 ने कराया बोन मिनरल डैंसिटी का परीक्षण, 100 की रिपोर्ट असामान्य निकली

विटामिन-डी का महत्वपूर्ण स्रोत सूर्य, रोज 15 मिनट धूप में बैठने से शरीर की हड्डियां मजबूत होंगी : डॉ. अभिषेक

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में शिक्षक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शिविर लगाया गया। संयोजक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने बताया शिविर में बोन मिनरल डेंसिटी का परीक्षण, ईसीजी, कंप्यूटराइज्ड रिफ्रेक्टोमीटर द्वारा नेत्र परीक्षण, ब्लड शुगर, रक्तचाप परीक्षण एवं नाक, कान एवं गला आदि के रोगों के लिए परामर्श दिया गया। शिविर में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से डॉ. पीयूष अरजरिया, डॉ. शिवम तेवर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी सिंह एवं विवि के डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ. किरण माहेश्वरी, डॉ. भूपेंद्र पटेल द्वारा परीक्षण किया गया। शिविर में 325 लोगों ने बीएमडी की जांच कराई। जिसमें 100 से अधिक लोगों की जांच असामान्य पाई गई। 150 लोगों की ईसीजी हुई। 259 लोगों का ब्लड शुगर टेस्ट हुआ। 225 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया और लगभग 100 लोगों ने ईएनटी विशेषज्ञों से परामर्श लिया। डॉ. अभिषेक जैन ने विटामिन-डी की उपयोगिता पर व्याख्यान में शायरी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया और इसके महत्व को बताया। उन्होंने बताया कि विटामिन-डी हमारे शरीर को सूर्य की किरणों से प्राप्त होता है। इसके लिए जरूरी है कि रोज 15 से 20 मिनट धूप जरूर लें। विटामिन-डी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह हड्डियों के लिए आवश्यक है और हृदय रोग और डायबिटीज रोगों से भी बचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट की उपयोगिता के बारे में बताया। शिविर के संयोजन में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की ओर से अरुण सिरोठिया, अर्जुन भगत सिंह, जयप्रकाश, ममता पटेल, दुर्गेश चौबे, अंकिता, प्रमोद, विनोद आदि का सहयोग रहा। शिविर में प्रो. अशोक अहिरवार, डॉ. अलीम खान, प्रो. डीके नेमा, डॉ. वंदना राजौरिया, प्रीति आदि मौजूद थे। स्वास्थ्य एवं जागरुकता शिविर के समन्वयक विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया इस प्रकार के शिविर कुलपति के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विवि में आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। जिससे विवि परिवार का प्रत्येक सदस्य निरोगी और स्वास्थ्य जीवन यापन कर सके।

विटामिन-डी की कमी जीवन शैली के बदलाव के कारण हो रही है : कुलपति

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा विटामिन-डी की कमी हमारे शरीर में जीवन शैली के बदलाव के कारण हो रही है। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों का डॉ. राकेश सोनी एवं निधि जैन का कुलपति द्वारा सम्मान किया गया। संचालन डॉ. आशुतोष मिश्रा ने किया। शिविर में छात्रों ने भी नेत्र का परीक्षण कराया।

विवि स्वास्थ्य केंद्र ने आयोजित किया एकदिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

जीवनशैली में बदलाव शरीर में विटामिंस की कमी का बड़ा कारण : प्रो. गुप्ता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के संयोजक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन थे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में बोन मिनिरल डेंसिटी का परीक्षण ईसीजी, कंप्यूटराइज रिफ्रैक्टोमीटर द्वारा नेत्र परीक्षण, ब्लड शुगर, रक्तचाप परीक्षण और नाक, कान एवं गला आदि के रोगों के लिए परामर्श दिया गया।

शिविर में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से डॉ.पीयूष अर्जरिया, डॉ.शिवम तेवर व नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी सिंह और विश्वविद्यालय के डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ. किरण माहेश्वरी, डॉ. भूपेंद्र पटेल द्वारा मरीजों का परीक्षण किया गया। शिविर में लगभग 325 लोगों ने अपनी जांच कराई, जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगों की जांच असामान्य पाई गई। 150 लोगों की ईसीजी हुई, 259 लोगों का ब्लड शुगर टेस्ट हुआ। 225 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया और लगभग 100 लोगों ने ईएनटी विशेषज्ञों से परामर्श लिया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया गया कि विटामिन डी की कमी हमारे शरीर में जीवन शैली के बदलाव के कारण हो रही है। संचालन डॉ. आशुतोष मिश्रा ने किया।

शिविर में छात्रों ने भी अपने नेत्र का परीक्षण कराया।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in